सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 317 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 31 अगस्त 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

राज्यपाल डेका व मुख्यमंत्री साय ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के पंचम दीक्षांत समारोह में शामिल होने बिलासपुर पहुंचे। इस मौके पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी भी मौजूद रहीं।

राज्यपाल श्री डेका और मुख्यमंत्री श्री साय ने विश्वविद्यालय के प्रकल्प ज्ञानपथ, अटल मुक्ताकाशी मंच और अटल सरोवर का लोकार्पण भी किया। राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधे लगाये। इस अवसर पर केंद्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री अरूण साव, विधायक धरमलाल कौशिक, अमर अग्रवाल, सुशांत शुक्ला, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय के कुलपति एडीएन वाजपेयी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी सहित विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सीएम साय महतारी बहनों को देंगे तीजा का उपहार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय 02 सितम्बर को मुख्यमंत्री निवास में आयोजित होने वाले तीजा-पोरा महतारी वंदन तिहार के मौके पर 70 लाख महतारी-बहनों को तीजा पर्व के उपहार स्वरूप महतारी वंदन योजना की सातवीं किश्त जारी करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय इस योजना के तहत माता-बहनों के खाते में एक-एक हजार रूपए की राशि जारी करेंगे।

मुख्यमंत्री ने दी पर्युषण-पर्व की शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेशवासियों विशेषकर जैन धर्म के अनुयायियों को पर्युषण-पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्युषण पर्व जैन समाज का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। मान्यता है कि भगवान महावीर ने इस त्यौहार के दौरान अपनी शिक्षाएं दीं और जैन धर्म के मुख्य सिद्धांतों को प्रतिपादित किया। पर्युषण पर्व मनाने का मूल उद्देश्य आत्मा को शुद्ध बनाने पर ध्यान केंद्रित करना होता है। यह महापर्व आत्मविशुद्धि, संयम, त्याग और आत्मचेतना को विकसित करने का अवसर देता है। यह पर्व अहिंसा, दया, क्षमा, प्रेम की राह पर चलना सिखाता है।

बारिश की विदाई से पहले मौसमी बीमारियों का कहर

डेंगू-मलेरिया, स्वाइन फ्लू और डायरिया के मामले बढ़े

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। मानसून की विदाई से पहले छत्तीसगढ़ में मौसमी बीमारियां कहर बरपाने लगी है। राज्य के कई जिलों में मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। भिलाई-दुर्ग के साथ ही बिलासपुर, कोरबा, बस्तर और सरगुजा इससे ज्यादा प्रभावित है। बिलासपुर में स्वाइन फ्लू से महिला मरीज की मौत हो गई है। कोरबा के मुड़ापार में अब तक 200 से ज्यादा डेंगू के मरीज मिल चुके हैं। कोरबा स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक हर दिन 1000 मरीज मौसमी बीमारियों के रोज अस्पताल आ रहे हैं। बलरामपुर के ओबरी गांव में दर्जनभर लोग डायरिया की चपेट में हैं। जगदलपुर में छिंदवाड़ा आवासीय विद्यालय के 30 छात्र महारानी अस्पताल में भर्ती हैं। सभी बच्चों को पेद दर्द और उल्टी दस्त की शिकायत है।

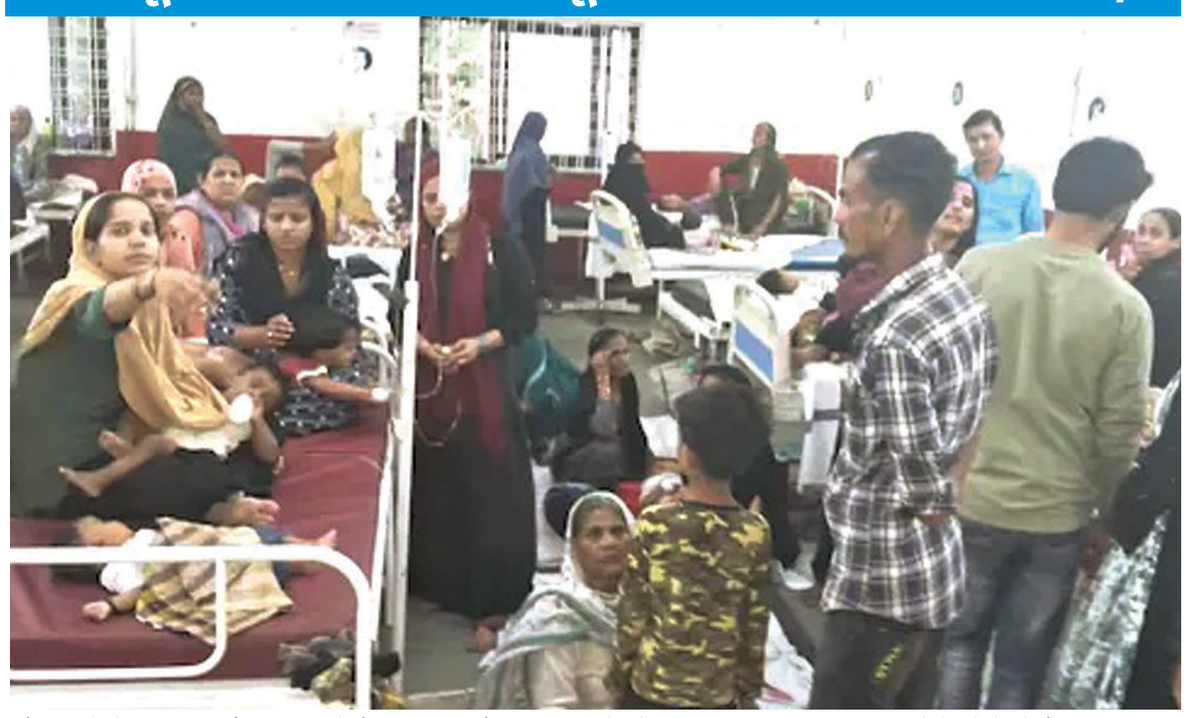

राज्य के कई इलाकों में इन दिनों मौसमी बीमारियों का कहर लोगों पर टूट रहा है। बिलासपुर से लेकर जगदलपुर तक मरीज मौसमी बीमारियों की चपेट में आकर परेशान हैं। बिलासपुर में स्वाइन फ्लू से 33 साल की महिला की मौत अस्पताल में हो गई। महिला को इलाज के लिए परिवारवालों ने भर्ती कराया था। बिलासपुर स्वास्थ्य विभाग ने 2 और मरीजों में स्वाइन फ्लू की पुष्टि की है। कोरबा में तो डेंगू इस कदर फैला हुआ है कि यहां का रिहायशी इलाका मुड़ापार डेंगू का हॉटस्पॉट बन चुका है। बीते दिनों कोरबा के एक मरीज की डेंगू से बिलासपुर में मौत भी हो चुकी है।

बिलासपुर में स्वाइन फ्लू से महिला मरीज की अस्पताल में मौत हो गई। स्वाइन फ्लू से मरीज की मौत होने पर स्वास्थ्य विभाग भी अलर्ट पर है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक दो और मरीजों में स्वाइन फ्लू के लक्षण मिले हैं। स्वाइन फ्लू की पुष्टि होने के बाद दोनों का इलाज अस्पताल में किया जा रहा है। अकेले बिलासपुर में स्वाइन फ्लू से पांच मरीजों की जान जा चुकी है। जिले में अभी तक स्वाइन फ्लू के 96 पॉजिटिव केस सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग ने एडवाइजरी कर लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। सीएएचओ ने गाइडलाइन जारी कर उसका पालन करने को कहा है।

कोरबा के मुड़ापार सहित कई इलाकों में डेंगू का कहर बढ़ने लगा है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, अब तक 200 से ज्यादा डेंगू के मरीज प्रभावित इलाकों में मिल चुके हैं। बीते दिनों एक डेंगू मरीज की मौत भी हो चुकी है। जिस मरीज की मौत हुई है, उसे बेहतर इलाज के लिए बिलासपुर रेफर किया गया था। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, हर दिन 1000 से ज्यादा मौसमी बीमारियों से पीड़ित मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं। डेंगू प्रभावित इलाके के लोगों का आरोप है कि सही तरीके से दवाओं का छिड़काव नहीं किया जा रहा है। गंदगी और पानी जमा होने से डेंगू के मच्छर बढ़ रहे हैं।

बलरामपुर के ओबरी गांव में डायरिया के दर्जनभर मरीज मिले हैं। एक साथ डायरिया के इतने मरीज मिलने पर हड़कंप मच गया है। सभी मरीजों में उल्टी और दस्त की शिकायत है। गंभीर रुप से बीमार मरीजों को बलरामपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ओबरी गांव के लोगों का कहना है कि गंदा पानी पीने की वजह से डायरिया इलाके में फैला है। डायरिया के रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम अब डोर टू डोर वाटर टेस्टिंग का काम और मरीजों की पहचान कर रही है। डॉक्टर, लोगों को पानी छानकर और उबालकर पीने की सलाह सभी लोगों को दे रहे हैं।

जगदलपुर में छिंदवाड़ा आवासीय विद्यालय के 30 छात्र महारानी अस्पताल में भर्ती हैं। सभी बच्चों को पेद दर्द और उल्टी दस्त की शिकायत है। महारानी और डिमरापाल अस्पताल में भर्ती बच्चों को देखने के लिए प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष किरण सिंह देव और कलेक्टर पहुंचे। बताया गया है कि सभी बच्चों ने खेल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। वहां मिले भोजन को खाने के बाद सभी की तबीयत बिगड़ी। बस्तर कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। जिन बच्चों की तबीयत में सुधार है उनको घर भी भेज दिया गया है।

वहीं, कोरिया के पटना इलाके के डुमरिया गांव में फ्लोराइड वाला पानी लोगों को बीमार कर रहा है। लोगों की शिकायत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित इलाके के हैंडपंप का पानी चेक किया है। जांच के दौरान पता चला है कि पानी में फ्लोराइड की मात्रा काफी ज्यादा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले दस सालों से वो यहां का पानी पी रहे हैं। लेकिन अब ये पानी उनको बीमार करने लगा है। जामपारा के 32 बच्चों में फ्लोरोसिस बीमारी के लक्षण पाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने प्रभावित पानी के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है।

रायपुर में स्वाइन फ्लू के 65 मरीज

राजधानी रायपुर में ही स्वाइन फ्लू के मरीजों का आंकड़ा 65 तक पहुंच गया है। राज्य में करीब ढाई सौ के करीब मामले सामने आ चुके है, जिनमें से करीब एक दर्जन लोगों की मौत भी हो चुकी है। खास बात यह है कि पीड़ितों की कोई ट्रैवल हिस्ट्री नहीं मिली है। यानी लोग घर बैठे या नियमित कार्य करते हुए इस बीमारी की चपेट में आ रहे हैं। चिकित्सकों के मुताबिक, स्वाइन फ्लू संक्रमण के मामले हर साल आते हैं, लेकिन इस बार पीड़ितों की संख्या ज्यादा है। जिले में स्वाइन फ्लू के संक्रमितों का इलाज निजी अस्पतालों के साथ ही एम्स और अंबेडकर अस्पताल में भी चल रहा है। रायपुर जिले में इस संक्रमण की रोकथाम के लिए कांटेक्ट ट्रेसिंग की टीम काम कर रही है, जो संक्रमण की वजह जानने के लिए संक्रमितों से जानकारी ले रही है। संक्रमित होने वालों में विभिन्न आयुवर्ग के लोग शामिल हैं, जिनमें पुरुषों की संख्या अधिक है, जो नियमित कार्यों से घर से बाहर निकले और वापसी के दौरान संक्रमण लेकर अपने घर लौटे। रायपुर जिले में स्वाइन फ्लू की वजह से बीते आठ माह में दो लोगों की मौत हो चुकी है।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों में बोले प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सर्वोच्च न्यायालय का जिला न्यायपालिका का छह सत्रों वाला दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन शनिवार से शुरू हुआ। इसके उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने टिकट और सिक्के का अनावरण किया। महिलाओं खिलाफ अपराध और बच्चों की सुरक्षा पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार के मामलों में जितनी तेजी से न्याय मिलेगा, उतनी जल्दी आधी आबादी को सुरक्षा का भरोसा मिलेगा। पीएम मोदी के साथ केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल भी इस समारोह का हिस्सा बनें।

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में पीएम मोदी ने भी समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा, सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष, ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है, भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है, एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। उन्होंने आगे कहा, भारत के लोगों ने कभी सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर अविश्वास नहीं किया। इसलिए, सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष, मदर ऑफ डेमोक्रेसी के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है- विकसित भारत, नया भारत। नया भारत, यानी - सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है।

जितनी तेजी से न्याय मिलेगा, उतनी जल्दी आधी आबादी को मिलेगा सुरक्षा का भरोसा

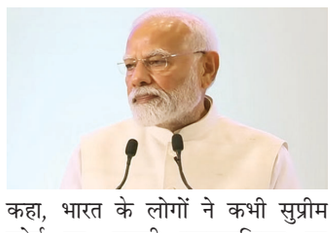

प्रधानमंत्री ने कहा, न्याय में देरी को खत्म करने के लिए बीते एक दशक में कई स्तर पर काम हुए हैं। पिछले 10 वर्षों में देश ने न्यायिक संरचना के विकास के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। पिछले 25 साल में जितनी राशि न्यायिक संरचना पर खर्च की गई, उसका 75 प्रतिशत पिछले 10 वर्षों में ही हुआ है। भारतीय न्याय संहिता के रूप में हमें नया भारतीय न्याय विधान मिला है। इन कानूनों की भावना है- 'नागरिक पहले, गरिमा पहले और न्याय पहले', हमारे आपराधिक कानून शासक और गुलाम वाली औपनिवेशिक सोच से आजाद हुए हैं। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर भी पीएम मोदी ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, आज महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, बच्चों की सुरक्षा, समाज की गंभीर चिंता है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कठोर कानून बने हैं, लेकिन हमें इसे और सक्रिय करने की जरूरत है। महिला अत्याचार से जुड़े मामलों में जितनी तेजी से फैसले आएंगे, आधी आबादी को सुरक्षा का उतना ही बड़ा भरोसा मिलेगा।

कपिल सिब्बल व अर्जुन मेघवाल ने भी किया संबोधित

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने इस समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा, भारत में आबादी के अनुपात में जजों की संख्या बहुत कम है। जिला एवं सत्र स्तर पर रोस्टर पर बहुत अधिक बोझ है। उन्होंने आगे कहा, हमारे ट्रायल कोर्ट, जिला और सत्र न्यायालय को बिना किसी भय के न्याय देने के लिए सशक्त बनाने की आवश्यकता है। न्यायपालिका में यह विश्वास पैदा किया जाना चाहिए कि उनके फैसले उनके खिलाफ नहीं होंगे। वे न्यायप्रणाली की रीढ़ की हड्डी हैं। मैंने अपने करियर में शायद ही उस स्तर पर जमानत मिलते देखी हो। यह केवल मेरा अनुभव नहीं बल्कि मुख्य न्यायाधीश ने भी ऐसा इसलिए कहा क्योंकि शीर्ष अदालतों पर बोझ हैं। निचली अदालत में जमानत एक अपवाद है। स्वतंत्रता एक संपन्न लोकतंत्र का मूलभूत आधार है। इसका गला घोंटने का प्रयास हमारे लोकतंत्र पर प्रभाव डालता है।

कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा, इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय अपने स्थापना के 75 वर्ष मना रहा है और देश संविधान लागू होने के 75 वर्ष मना रहा है। ये बहुत ही सुखद संयोग है। मुझे इस अवसर में शामिल होकर अत्यंत गर्व व हर्ष की अनुभूति हो रही है। मेरा ये मानना है कि जिला न्यायालय हमारी न्यायपालिका का दर्पण है और इन्ही के माध्यम से आम जनता अपने मन में न्यायपालिका की छवि का निर्माण करती है। ये चारो ओर एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण करते हैं जो कि प्रत्येक कार्य के लिए जरूरी है। हमारे लिए गर्व का विषय है कि सरकार द्वारा न्यायपालिका के साथ कंधे से कंधा मिलाकर पिछले एक दशक में ईज ऑफलिविंग के साथ-साथ ईज ऑफ जस्टिस को बढ़ावा देने के लिए सार्थक प्रयास किए गए जिसका प्रणाम हमें देखने को मिल रहा है।

छत्तीसगढ़ में छह आईएएस अफसरों को मिले अतिरिक्त नए प्रभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर राज्य सरकार ने छह आईएएस अधिकारियों का तबादला किया है। मंत्रालय महानदी भवन से देर रात यह आदे जारी हुआ। जारी आदेश के अनुसार आईएएस अधिकारियों के प्रभार में फेरबदल किया है।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार आईएएस निहारिका बारिक प्रमुख सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार विकास आयुक्त, प्रमुख सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को उनके वर्तमान प्रभारों के साथ-साथ महानिदेशक, ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। आईएएस डॉ. सीआर प्रसन्नासचिव, सहकारिता विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार महानिदेशक, ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान एवं सचिव, गृह एवं जेल विभाग को केवल महानिदेशक, ठाकुर प्यारेलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान एवं सचिव, गृह एवं जेल विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त किया गया।

इसी प्रकार आईएएस हिमशिखर गुप्ता सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग को उनके वर्तमान प्रभारों के साथ-साथ सचिव, गृह एवं जेल विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया। आईएएस चंदन कुमार विशेष सचिव, वित्त विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार विशेष सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, विशेष सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को उनके वर्तमान प्रभारों के साथ-साथ नियंत्रक खाद्य एवं औषधी प्रशासन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।

इसके अलावा आईएएस राजेन्द्र कुमार कटारासंचालक, राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद तथा अतिरिक्त प्रभार मिशन संचालक, राज्य साक्षरता मिशन, मिशन संचालक, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान को उनके वर्तमान प्रभारों के साथ-साथ प्रबंध संचालक, पाठ्य पुस्तक निगम का अतिरिक्त प्रभार तथा आईएएस कुलदीप शर्मा प्रबंध संचालक, पाठ्य पुस्तक निगम एवं अतिरिक्त प्रभार नियंत्रक, खाद्य एवं औषधी प्रशासन तथा रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं को अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं के पद पर पदस्थ किया गया।

मुझे माफ करना राहुल मेरे भाई

श्रीकंचनपथ

हरियाणा के मशहूर गायक रॉकी मित्तल भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल हो गए। कांग्रेस में शामिल होते हुए मित्तल ने अपने पुराने विवादित गानों के लिए राहुल गांधी से एक गाना गाते हुए माफी मांगी है। उन्होंने गाया, ''मुझे माफ करना, राहुल मेरे भाई..'' उन्होंने भाजपा पर नफरत फैलाने का आरोप भी लगाया। जय भगवान मित्तल के नाम से मशहूर रॉकी ने भाजपा में रहते हुए राहुल गांधी और कांग्रेस के खिलाफ कई गाने गाए थे। वैसे राहुल गांधी की प्रशंसा करने वाले वो अकेले मोदी भक्त नहीं हैं। भाजपा की फायर ब्रांड नेता स्मृति ईरानी ने भी राहुल गांधी की तारीफ की है। स्मृति ने कहा है कि राहुल अब अलग तरह की पालीटिक्स कर रहे हैं। स्मृति ने कहा कि राहुल गांधी के स्वभाव और राजनीति करने के तरीके में बड़ा बदलाव आया है। कास्ट की राजनीति में भी वो बहुत ध्यान से बोल रहे हैं। स्मृति ने कहा कि राहुल संसद में टीशर्ट पहनते हैं तो वो जानते हैं कि इसका युवा पीढ़ी में क्या संदेश जाएगा। भाजपा किसी गलतफहमी में न रहे कि राहुल का उठाया गया कोई भी कदम बचकाना है। राहुल ने इससे पहले लोकसभा चुनाव में अमेठी सीट हारने वाली स्मृति के खिलाफ गलत बयानबाजी करने वाले कांग्रेस कार्यकर्ताओं को नसीहत दी थी कि हार जीत लगी रहती है, लेकिन स्मृति ईरानी या किसी भी नेता के खिलाफ अपमानजनक और भद्दी टिप्पणी न की जाए। कांग्रेस ने टिप्पणी की है कि यही नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान है। इससे एक बात तो साफहो गई है कि राहुल गांधी को लोग अब सीरियसली ले रहे हैं। हम यहां राहुल गांधी की तारीफनहीं कर रहे बल्कि उस शैली को रेखांकित करने की कोशिश कर रहे हैं जो सफलता का मार्ग प्रशस्त करती है। राहुल उन करोड़ों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हो सकते हैं जो लगातार हो रहे हमलों के आगे या तो घुटने टेक देते हैं या फिर अपना आपा खो देते हैं। भाजपा की रणनीति अब तक राहुल को बच्चा बुद्धि साबित करने की ही रही है। पर अविचलित राहुल लगातार अपनी लकीर बड़ी करने में लगे रहे। भारत जोड़ो पदयात्रा से लेकर 'भारत डोजो यात्रा' तक का उनका सफर बताता है कि वो युवाओं के करीब आ रहे हैं। जिस तरह कुश्ती अखाड़े में की जाती है ठीक उसी तरह मार्शल आर्ट्स का अभ्यास डोजो में किया जाता है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल बच्चों को मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग भी देते थे। राहुल कहते हैं कि इसका मकसद युवाओं को इस 'जेंटल आर्ट' की सुंदरता से परिचित कराना था। इससे उनमें हिंसा को सज्जनता में बदलने का मूल्य पैदा होगा, वो अधिक दयालु और सुरक्षित समाज बनाने के लिए प्रेरित होंगे। आज जब चारों तरफ महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं, राहुल का यह कदम एक समाधान की तरह सामने आता है।

संपादकीय

महाराष्ट्र की चिंता

महाराष्ट्र की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की बाढ़ स्वाभाविक, किंतु विचारणीय है। आरोप-प्रत्यारोप की सिलसिला इस तरह आगे बढ़ रहा है कि नेताओं की एक-दूसरे के प्रति घृणा सामने आने लगी है। गुरुवार को एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिंदे की शिव सेना के सदस्य और मंत्री तानाजी सावंत ने यहां तक कह दिया कि कैबिनेट की बैठकों में एनसीपी के सहयोगियों के साथ बैठने के बाद उन्हें उबकाई जैसा महसूस होता है। सावंत ने यह भी कहा कि वह एक कट्टर शिव सैनिक हैं और उनकी एनसीपी के नेताओं से कभी नहीं बनी। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता अपनी जगह है, पर ऐसे उद्गार सत्ता के कैसे चेहरे सामने लाते हैं? क्या लोकतंत्र में अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच ऐसी घृणा और उसके सार्वजनिक इजहार को सहजता से लेना चाहिए? यह बहुत दुखद है कि महाराष्ट्र में पार्टियों में भयंकर टूट-फूट के बाद ऐसे गठबंधन बने हैं, जिनमें परस्पर सम्मान का न्यूनतम भाव भी नहीं है। ऐसी घृणा के बावजूद साथ मिलकर सरकार चलाने की भला कौन प्रशंसा कर सकता है?

> जाहिर है, महाराष्ट्र के सत्ता पक्ष में जब ऐसी घृणा है, तो उसके दुष्प्रभाव चुनाव में भी दिखाई देंगे। सत्ताधारी संगठन जब जमीन पर उतरकर काम करेगा, तब लोगों का विश्वास जीतने में जरूर समस्या आएगी। सत्ताधारी गठबंधन, जिसे महायुति कहा जाता है, के बड़े नेताओं को अपने स्तर की अवश्य चिंता करनी चाहिए। कोई आश्चर्य नहीं, शिव सेना मंत्री तानाजी सावंत की घृणा भरी टिप्पणी के बाद वहां माहौल खराब हुआ है।

सरकार में शामिल अजित पवार की राकांपा के प्रवक्ता और विधान परिषद सदस्य अमोल मिटकारी ने सावंत के बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि गठबंधन धर्म निभाने के लिए ही हम चुप हैं। शरद पवार की राकांपा ने साफ कह दिया है कि भाजपा के लिए अजित पवार की पार्टी को महायुति से बाहर निकालने का समय आ गया है। विगत दिनों से लगातार यह कयास लगाया जा रहा है कि अजित पवार किसी भी समय इस गठबंधन से बाहर आ सकते हैं। महायुति में भीतरखाने बेचैनी का आलम है, जिसे दूर करने की कोशिशें कामयाब नहीं हो रही हैं। अब चूंकि चुनावी बिगुल बज चुका है, इसलिए इस बेचैनी का तत्काल कोई समाधान नहीं है। दरअसल, एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले नेता जब किसी एक सरकार में शामिल हो जाते हैं, तब ऐसी स्थिति का बनना स्वाभाविक है। आज महाराष्ट्र गठबंधन के शौकीन दलों के लिए एक सबक बन गया है।

महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा के गिरने का विवाद भी चरम पर है। सिंधुदुर्ग जिले में छत्रपति की प्रतिमा का गिरना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। अनेक वर्गों में गुस्सा चरम पर है, जिसका असर प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के बयानों में दिख रहा है। इस मामले में पहली गिरफ्तारी भी हो गई है। छत्रपति चूंकि महाराष्ट्र के मान-सम्मान से जुड़े हैं, इसलिए यह मामला चुनाव में भी असर दिखा सकता है। सियासी फायदे को देखते हुए उद्धव ठाकरे की शिव सेना की ओर से सरकार को जूते मारो आंदोलन की बात कही जा रही है। जूते मारो जैसा जुमला महाराष्ट्र की राजनीति में पहले भी इस्तेमाल हुआ है। जिस भी पार्टी ने इसका इस्तेमाल किया है या जो पार्टी इसका इस्तेमाल करना चाहती है, उसे भविष्य की राजनीति और उसमें अपने योगदान के बारे में जरूर सोच लेना चाहिए।

नजरिया

असंगठित क्षेत्र के कामगारों को भी मिले पेंशन सुरक्षा

केंद्र सरकार ने एकीकृत पेंशन योजना, यानी यूनीफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) की घोषणा कर दी है और पेंशन सबकी चर्चा का विषय बना हुआ है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है कि देश भर में सेवानिवृत्त सरकारी कर्मियों के हितों की रक्षा मजबूत होने वाली है।

आर के सिन्हा,
पूर्व राज्यसभा सांसद व उद्यमी

भारत में वृद्धावस्था में वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पेंशन महत्वपूर्ण साधन है। जब कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं, तो उनकी आमदनी का नियमित स्रोत अचानक खत्म हो जाता है, तब पेंशन की जरूरत पड़ती है। अगर रिटायर कर्मचारी को पेंशन न मिले, तो उसकी जिंदगी बहुत समस्याओं और अपमान में बीतती है।

यह चिंता की बात है कि पेंशन पर सहमति का माहौल नहीं है। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 2004 में राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) शुरू की थी। कांग्रेस का एनपीएस पर रुख सदैव अस्पष्ट रहा और लगातार बदलता भी रहा है। शुरू में कांग्रेस ने एनपीएस की सराहना की। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने भी इसे एक बेहतर पेंशन मॉडल बताया, पर बाद में कांग्रेस ने इसकी कमियां निकालनी शुरू कर दीं। पुरानी पेंशन योजना को खत्म करने के लिए एनडीए सरकार को लगातार आलोचना का सामना करना पड़ा है। केंद्र से लेकर राज्यों के सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन स्कीम की मांग करते रहे हैं। राजस्थान में जब कांग्रेस की सरकार थी, तब उसने पुरानी पेंशन को लागू किया था, जो आज भी लागू है। हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस सरकार पुरानी पेंशन योजना लागू कर चुकी है। अब राज्यों के पास एकीकृत पेंशन योजना लागू करने का मौका है।

देश और समाज में पेंशन को व्यापक विषय के रूप में देखने की जरूरत है। सरकारी पेंशन पाने वालों की संख्या देश में पांच प्रतिशत भी नहीं है। लाखों सरकारी कर्मियों को रिटायरमेंट के बाद आर्थिक सुरक्षा मिलेगी, पर बाकी लोगों का क्या होगा? देश में करोड़ों ऐसे कामगार हैं, जो रिटायर होने के बाद बहुत कष्ट और जलालत झेलते हैं। देश के निजी क्षेत्र से जुड़े करोड़ों लोगों को हर माह बड़ी मुश्किल से दो-ढाई हजार रुपये ही पेंशन के रूप में मिलते हैं। अब आप सोच सकते हैं कि इतनी कम राशि से तो कोई इंसान अपने महीने का चाय-पानी का खर्च भी नहीं निकाल सकता है। मेरे बहुत सारे पत्रकार मित्रों को रिटायर होने के बाद मात्र दो-तीन हजार रुपये मिलते हैं। यही हाल अन्य निजी कंपनियों से जुड़े रिटायर कर्मियों का भी है।

भारत में निजी क्षेत्र के ज्यादातर कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद कोई पेंशन प्राप्त करने के पात्र नहीं होते। ऐसे में, ईपीएफ पीपीएफ एनपीएस और ईएलएसएस पर उनकी निर्भरता बढ़ जाती है। मतलब, निजी कर्मचारी रिटायर होने के बाद भी आर्थिक सुरक्षा के लिए बाजार या निजी क्षेत्र पर निर्भर रहते हैं। निजी क्षेत्र में लोगों को समय रहते और नौकरी करते समय ही पेंशन की किसी योजना का सहारा लेना पड़ता है। निजी क्षेत्र की पेंशन योजनाएं खुले बाजार में निवेश पर निर्भर रहती हैं। वैसे, ईपीएफओ की ओर से यह कोशिश तो हो रही है कि निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी रिटायरमेंट के बाद न्यूनतम 10,000 रुपये पेंशन मिले। इस दिशा में जरूर कदम उठाने चाहिए कि पेंशन का लाभ चंद सरकारी कर्मचारियों तक सीमित न रह जाए। अगर निजी क्षेत्र में पेंशन की सुविधा पर सरकार खर्च नहीं कर सकती, तो करों में राहत पर विचार करना चाहिए। अगर चुनिंदा निवेशों में कर कटौती की अनुमति दी जाए, तो पेंशन योग्य समाज के निर्माण में मदद मिलेगी।

नई पेंशन योजना एनडीए सरकार का एक अहम फैसला है। इसका लक्ष्य सरकारी कर्मियों को सामाजिक सुरक्षा देना है। कर्मचारियों की शंकाओं का समाधान होना ही चाहिए। एक स्थिर पेंशन प्रणाली कर्मचारियों को अपनी नौकरी के प्रति अधिक प्रतिबद्धता और निष्ठा प्रदान करती है। उन्हें लगता है कि रिटायर होने के बाद उन्हें वित्तीय सुरक्षा मिलेगी, इसलिए वे अपने काम पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं।

बहरहाल, ध्यान रखना चाहिए कि असंगठित क्षेत्रों में सेवा देने वाले अनगिनत मेहनतकशों को पेंशन नहीं मिलती। इनकी संख्या सरकारी या संगठित क्षेत्र के कर्मचारियों की संख्या से कई गुना ज्यादा है और इनकी आय भी कम व अनिश्चित है। आखिर वे भी तो भारतीय नागरिक हैं। इनके बारे में गंभीरतापूर्वक सोचने की आवश्यकता है।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

बंगाल में सियासी खलबली का सिलसिला

जयंत घोषाल, वरिष्ठ पत्रकार

आज एक भयंकर और दुखद समय में पश्चिम बंगाल की जनता गुजर रही है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बलात्कार व हत्या की जो घटना घटी है, उसने सबको झकझोर कर रख दिया है। वह हमारे समाज और देश की ही बेटी थी, जिसके साथ अन्याय हुआ, जिसका जीवन असमय खत्म कर दिया गया।

आज पूरे पश्चिम बंगाल में तूफान मचा हुआ है। लोग जो संवेदनशीलता दिखा रहे हैं, वह अभूतपूर्व है। बड़ी संख्या में महिला और पुरुष विरोध जताने व न्याय पाने के लिए सड़कों पर उतर जा रहे हैं। केवल डॉक्टर और छात्र ही प्रदर्शन नहीं कर रहे, अलग-अलग पेशे के लोग अपने-अपने ढंग से विरोध जता रहे हैं। कभी कोलकाता के अभिनेता, अभिनेत्री सड़क पर उतर रहे हैं, तो कभी फुटबॉल खिलाड़ियों का हुजूम उमड़ पड़ रहा है। पत्रकारों ने भी जुलूस निकाला है, तो वकील भी पीछे नहीं हैं। अलग-अलग स्कूलों के बच्चे भी प्रदर्शन में आ रहे हैं। यह जो हो रहा है, वह स्वत:स्फूर्त और स्वाभाविक है। ये प्रदर्शन बनावटी नहीं हैं और न सुनियोजित ढंग से हो रहे हैं। जो प्रदर्शन हो रहे हैं, उन्हें अराजनीतिक कहा जा सकता है। बहरहाल, इस घटना के दो बड़े पहलू हैं। पहला, जिसमें बलात्कार, कार्रवाई, सुनवाई शामिल है। सवाल यह भी है कि जिसने इस जघन्यता का अंजाम दिया, उसे इंसान कहा जाए या नहीं? क्या सामूहिक दुष्कर्म हुआ है? इसे सीबीआई ने स्पष्ट नहीं किया है, पर इतना समझ लेना चाहिए कि आज जो लोग कोलकाता में सड़कों पर हैं, वे अपराधियों के लिए कड़ी से कड़ी सजा चाहते हैं। सजा ऐसी कि मिसाल बन जाए। जघन्यता और इसकी सजा को हमेशा याद रखना होगा। भूल जाने की प्रवृत्ति के प्रति देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी आगाह किया है।

इस घटना का दूसरा पहलू, ममता बनर्जी की सरकार की भी तीसरी पारी चल रही है। चूंकि स्वास्थ्य मंत्रालय मुख्यमंत्री के पास ही है, तो मामला और गंभीर हो गया है। सरकार के खिलाफ नाराजगी साफ तौर पर दिखने लगी है और भारतीय जनता पार्टी मुख्य विपक्षी पार्टी बन गईहै। जरूरी नहीं कि ममता बनर्जी से ही गलती हुई हो, पर वह मुख्यमंत्री हैं, तो उन्हें ही घेरा जा रहा है, जवाब मांगा जा रहा है। लोग मान रहे हैं कि अस्पताल में जो भी कुछ गलत चल रहा था, उसके लिए सरकार जिम्मेदार है। चूंकि सरकार ने समय रहते कदम नहीं उठाए, तो अपराधियों का दुस्साहस बढ़ता चला गया। कई लोग मानते हैं कि इस मामले में ममता बनर्जी को इस्तीफा देना चाहिए। इसके लिए भाजपा ने राजनीतिक अभियान छेड़ दिया है। मतलब, आज कोलकाता में गैर-राजनीतिक और राजनीतिक, दोनों प्रकार से ममता बनर्जी या राज्य सरकार का विरोध हो रहा है।

अब सवाल यह है कि आगे क्या होगा? क्या इस घटना का राजनीतिक असर पड़ेगा? साल 2019 में लोकसभा चुनाव में भाजपा को पश्चिम बंगाल में ज्यादा सीटें मिली थीं, विधानसभा चुनाव 2021 में भी भाजपा का प्रदर्शन सुधरा, पर सत्ता फिर ममता बनर्जी के पास चली गई। इसी साल लोकसभा चुनाव में फिर एक बार ममता बनर्जी या उनकी तृणमूल कांग्रेस का वर्चस्व स्थापित हो गया। भाजपा ने सोचा था कि पश्चिम बंगाल में उसे अच्छी सफलता मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पूरे देश में ही भाजपा की सीटें घट गईं। इंडिया ब्लॉक मजबूत होकर उभर आया।

फिर भी यह मानना पड़ेगा कि पश्चिम बंगाल में भाजपा को ही सबसे ज्यादा फायदा हुआ है। यह ऐसा राज्य है, जहां भाजपा पहले कहीं नहीं थी। जनसंघ के संस्थापकों में शामिल श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंगाल से थे। मुझे अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी बार-बार बोलते थे कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राज्य होने के बावजूद हम बंगाल में खाता नहीं खोल पा रहे हैं। कोलकाता में जब भाजपा के दो पार्षद जीते थे, तब भाजपा ने धूमधाम से उत्सव मनाया था।

समय काफी बदल गया, आज भाजपा के पास बंगाल विधानसभा में 67 सीटें हैं और वह वहां अगली सरकार बनाने के लिए लालायित है। अस्पताल में हुए जघन्य अपराध ने उसे मौका दिया है। हालांकि, अभी भी भाजपा की जमीनी स्थिति या संगठन तृणमूल कांग्रेस की तरह मजबूत नहीं है। अभी जो कुछ हो रहा है, वह कोलकाता या शहर केंद्रित विरोध प्रदर्शन है। मतलब, शहरों में भाजपा मजबूत है, जबकि गांवों में तृणमूल उतनी ही मजबूत है, जितनी कभी वामपंथी पार्टियां हुआ करती थीं। इसलिए ममता बनर्जी अचानक से कमजोर नहीं हो जाएंगी। भाजपा को पश्चिम बंगाल के गांवों में खुद को सांगठनिक रूप से मजबूत करना पड़ेगा, तभी वह आगामी चुनावों में चुनौती दे पाएगी।

राज्य में क्या राजनीतिक स्थिति बदल चुकी है? इसका पता तभी चलेगा, जब यहां कोई चुनाव होगा। ममता बनर्जी ने कहा है कि सरकार राज्य में छात्र संघ चुनाव कराएगी, जो वर्षों से नहीं हुआ है। सीपीएम का एसएफआई, कांग्रेस का एनएसयूआई, तृणमूल कांग्रेस की छात्र इकाई है तृणमूल छात्र परिषद, पर बंगाल में आज कहां है अखिल विद्यार्थी परिषद? तृणमूल छात्र परिषद के जीतने की ज्यादा संभावना है। इसके अलावा, राज्य में उपचुनाव भी हैं, उसमें भी अगर भाजपा जीत न पाए, तो ममता की मजबूती साबित हो जाएगी। वह कहेंगी कि भाजपा मुझसे जीत नहीं सकती, पर मुझे कुर्सी से हटाने की साजिशें करती रहती है। चुनाव कोई भी हो, बंगाल में भाजपा को जीतकर दिखाना पड़ेगा। कुछ भाजपा नेता राष्ट्रपति शासन की मांग कर रहे हैं। राष्ट्रपति शासन अगर लगा, तो भी भाजपा को जीतकर दिखाना पड़ेगा। वैसे, राष्ट्रपति शासन लगाना इतना आसान नहीं है? सोचना चाहिए कि राष्ट्रपति शासन लगने से क्या भाजपा को फायदा होगा?

संदेह मत कीजिए, ममता बनर्जी बहुत तेज राजनेता हैं और अगर राष्ट्रपति शासन लगा, तो वह भाजपा पर और आक्रामक हो जाएंगी। उनकी चतुराई देखिए, वह गांव-गांव के लिए कार्यक्रम बना रही हैं, तृणमूल यह सवाल उठाएगी कि सीबीआई ने क्यों कार्रवाई नहीं की? दोषी को तत्काल और कड़ी सजा दिलाने के लिए ममता प्रस्ताव पारित कर रही हैं, जिसे मंजूरी के लिए राज्यपाल के पास भेजा जाएगा? मतलब, ममता बनर्जी यहां केवल सत्ता पक्ष नहीं हैं, उन्होंने विपक्ष की जगह लेने की भी पूरी कोशिश की है।

फिलहाल, भाजपा में भी दो तरह के मत हैं। एक मत राष्ट्रपति शासन के पक्ष में है, तो दूसरा यह मानता है कि अभी भाजपा के लिए देश में बहुत अनुकूल स्थिति नहीं है। राष्ट्रपति शासन लगाया, तो पूरा विपक्ष एकजुट खड़ा हो जाएगा, इससे भाजपा को नुकसान की ज्यादा आशंका है। भाजपा के सामने अनेक सवाल हैं, पर इतना तय है कि बंगाल में जो सियासी खलबली मची है, वह आसानी से शांत नहीं होगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सरकार की असल नीति क्या है?

सही है विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों ने छोटे कारोबारियों को व्यापार से बाहर करने के लिए चीजें सस्ती दरों पर बेचीं। उस कारण उन्हें घाटा हुआ। सवाल है सरकार की असल नीति क्या है?

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने ई-कॉमर्स कंपनियों पर सीधा निशाना साधा। उन्हें देश के करोड़ों खुदरा कारोबारियों की बढ़ती मुसीबत का कारण बताया। उन्होंने कहा- ई-कॉमर्स की भारत में बेरोक वृद्धि से बड़े पैमाने पर सामाजिक अस्त-व्यवस्ता पैदा हो सकती है, जिसका असर दस करोड़ छोटे व्यापारियों पर पड़ेगा। गोयल एक संस्था की रिपोर्ट जारी होने के मौके पर बोल रहे थे। रिपोर्ट भारत में रोजगार एवं उपभोक्ता कल्याण पर ई-कॉमर्स का संपूर्ण प्रभाव' शीर्षक से जारी हुई है। गोयल ने अमेजन कंपनी का नाम लेकर उस पर निशाना साधा। उनकी टिप्पणी गौरतलब है= %कीमत तय करने का लूटेरा चलन क्या देश के हित में है, जहां अमेजन जब कहती है कि वह अरबों डॉलर का निवेश करेगी, तो हम सब खुशी मनाते हैं। लेकिन हम अंदरूनी कहानी भूल जाते हैं कि ये अरबों डॉलर किसी बड़ी सेवा या भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सहायक किसी बड़े निवेश के रूप में नहीं आ रहे हैं। ये रकम कंपनी अपना घाटा पाटने के लिए ला रही है। लेकिन अरबों डॉलर का घाटा हुआ ही क्यों?' गोयल का तात्पर्य है कि इन कंपनियों को घाटा छोटे कारोबारियों को व्यापार से बाहर करने के लिए चीजें सस्ती दरों पर बेचने के कारण हुआ। उसे पाटने के लिए अरबों डॉलर लाए गए।

यह नहीं कहा जा सकता कि गोयल की बातें बेबुनियाद हैं। मगर सवाल यह उठेगा कि नरेंद्र मोदी सरकार की नीति क्या है? क्या उसकी नीतियों ने हर तरह के विदेशी निवेश को प्रोत्साहित नहीं किया है? और क्या उसका ही यह परिणाम नहीं है कि देश में विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों का पूरा वर्चस्व बन गया है। वैसे क्या यह भी एक सच नहीं है कि केंद्र की ही नीतियों या कार्य-प्रणाली से तंग आकर अनेक कंपनियां बाहर चली गई हैं। इस क्रम में ना तो देसी उद्योग का विकास हुआ है और ना विदेशी निवेश से अपेक्षित उद्देश्य पूरा हुआ है। क्या गोयल की बातें अब ई-कॉमर्स सेक्टर में अनिश्चय का माहौल नहीं बनाएंगी? वैसे खुदरा कारोबार सेक्टर की मुसीबतें बढ़ाने में नोटबंदी और जीएसटी जैसे नीतिगत फैसलों का क्या रोल रहा है, गोयल को यह भी बताना चाहिए।

(राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी)

सर्वजन का नहीं मिला साथ, क्या बहुजन से फिर बनेगी बात?

संजय सक्सेना

बहुजन समाज पार्टी इस समय काफी बुरे दौर से गुजर रही है। उसके वोट बैंक में जबर्दस्त गिरावट आई है तो पार्टी से जुड़े करीब-करीब सभी पुराने नेताओं ने बसपा का दामन छोड़ दिया है। एक समय था जब उत्तर प्रदेश में मायावती दलितों की सबसे बड़ी नेत्री हुआ करती थीं। दलित वोटों की ताकत के बल पर वह अन्य दलों से राजनैतिक सौदेबाजी भी कर लेती थी, परंतु जब से मायवती ने समाज के अन्य वर्गो खासकर मुसलमानों के बीच अपना दायरा बढ़ाने की कोशिश शुरू की हैं तब से पार्टी के भीतर दलित नंबर दो की हैसियत बनकर रह गये थे। यह बात दलितों को अखरती भी थी, लेकिन दलित वोटरों ने माया से कभी बेवफाई की नहीं सोची। परंतु पिछले कुछ वर्षो से यह सिलसिला टूट गया है। दलित वोटर अपने फायदे के लिये कभी भाजपा को कभी समाजवादी पार्टी का दामन थामने लगे।

इस वर्ष हुए आम लोकसभा चुनाव में सर्वजन को साधकर सत्ता की मास्टर चाबी तलाशती रहीं मायावती को इस लोकसभा चुनाव ने पूरी तरह से संदेश दे दिया है कि दलित वोटों की नींव पर टिकी उनकी पार्टी की राजनीतिक जमीन अब काफी खोखली हो चुकी है। मायावती की यह चिंता अब उनके शब्दों के साथ बाहर आ रही है। लोकसभा चुनाव के बाद से बसपा प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं को जो भी संदेश दिया है, उसमें 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' की ही बात कही गई है, जबकि इससे पहले उनकी पार्टी की रणनीति और बसपा शासन का भी सूत्र सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय ही था। इससे माना जा रहा है कि वह अब अपने कोर वोटबैंक रहे बहुजन समाज को फिर से आकर्षित करने के प्रयास में हैं।

उधर, बसपा प्रमुख मायावती को राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया है। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को दिए संदेश में बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की बात तो की, लेकिन एक बार भी सर्वजन यानी सभी समाज-वर्गों का उल्लेख नहीं आया। हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड, जम्मू-कश्मीर व दिल्ली में होने जा रहे विधानसभा चुनाव का उल्लेख करते हुए कार्यकर्ताओं से भी यही अपील की कि वे अपने-अपने राज्यों बसपा मूवमेंट व बहुजन अस्मिता के हित में पूरे जी-जान से लगे रहें। सिर्फ यही बैठक नहीं, बल्कि 11 अगस्त, 2024 को उत्तर प्रदेश इकाई के पदाधिकारियों के साथ बैठक में दस विधानसभा सीटों पर उपचुनाव लड़ने की घोषणा की, तब भी संदेश दिया कि बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय की नीति एवं सिद्धांत पर जनता का भरोसा फिर से जीतने का प्रयास लगातार जारी रखना है। यहां गौर करने वाली बात है कि उत्तर प्रदेश में जब बसपा की सरकार थी, तो सरकार सूत्र वाक्य था-सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय। इतना ही नहीं, मायावती अपनी बैठकों में भी इस सूत्र वाक्य को दोहराना नहीं भूलती थीं।

उदाहरण के तौर पर लोकसभा चुनाव परिणाम से पहले 23 मई 2024 को गौतमबुद्ध की जयंती पर मायावती द्वारा जारी संदेश में खुद कहा था कि बसपा ने उत्तर प्रदेश में चार बार अपनी सरकार सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय के आदर्श के आधार पर चलाई और समतामूलक समाज स्थापित करने का पूरा प्रयास किया। इसी तरह 2024 में ही एक जनवरी, 15 जनवरी और 20 जनवरी को दिए गए संदेश में भी मायावती ने सर्वजन हिताय की बात कही। इन बयानों पर गौर करें तो पता चलता है कि सर्वजन का सूत्र लोकसभा चुनाव परिणाम आने के पहले तक रहा और उसके बाद से सिर्फ बहुजन की रट है। आखिर क्यों? इसका संकेत लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद मायावती द्वारा बुलाई गई पहली राष्ट्रीय स्तरीय बैठक के संबोधन में मिलता है। उसमें उन्होंने स्पष्ट कहा था कि इस बार विरोधी पार्टियों द्वारा चुनाव में विशेषकर संविधान बचाओ जैसे मुद्दों को उठाकर जनता को गुमराह किया, उससे बसपा का जबरदस्त नुकसान हुआ है। मायावती को इस लोकसभा चुनाव से संकेत मिल गया है कि जिस तरह 2014 और 2019 के चुनाव में भाजपा ने बसपा के दलित वोटबैंक में सेंध लगाई, अब उसमें सपा और कांग्रेस भी बड़ी सेंध लगाती दिख रही हैं।

(ये लेखक के विचार हैं)

दो अरब लोगों को पौष्टिक आहार की दरकार

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान आईएफपीआरआई द्वारा हाल ही में जारी वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट इस मायने में और अधिक गंभीर हो जाती है कि लाख प्रयासों के बावजूद दुनिया की बहुत बड़ी आबादी को पोष्टिक आहार नहीं मिल पा रहा है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया की 2.2 अरब आबादी आज भी पोष्टिक आहार से वंचित है। इसके कारण कुपोषण बढ़ रहा है और लोग बीमारियों का आसान शिकार बन रहे हैं। मजे की बात यह है कि हमारी आदतों के कारण बहुत बड़ी मात्रा में एक और भोजन की बर्बादी हो रही है तो हमारी व्यवस्थाओं के चलते बड़ी मात्रा में या तो खाद्यान्न बेहतर रखरखाव के अभाव में खराब हो जाता है या फिर पोस्ट हार्वेस्टिंग गतिविधियों को विस्तारित व काश्तकारों तक तकनीक की पहुंच नहीं होने के कारण खराब हो जाता है। यानी की एक और हमारी आदतों के कारण तो दूसरी और खाद्यान्नों को सहेज के रखने की सही व्यवस्थाओं के अभाव में बेकार हो जाता है और इसका सीधे सीधे खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

यह कोई पहला अवसर नहीं है जब इस तरह की रिपोर्ट जारी हो रही हो, बल्कि आईएफपीआरआई का यह सालाना कार्यक्रम है और पतिवर्ष इस तरह की रिपोर्ट जारी होती है। इसमें भी कोई दो राय नहीं कि हालात में सुधार हो रहा है पर जिस तरह का सुधार होना चाहिए था वह हो नहीं हो पा रहा है। यह किसी एक देश की समस्या हो ऐसा भी नहीं है, कमोबेस यह हालात दुनिया के अधिकांष देशों में हैं। हां अंतर इतना है कि कम आय वाले देशों में समस्या अधिक गंभीर है। यह तो साफ हो गया है कि कुपोषण के कारण या यों कहे कि पौष्टिक आहार की सहज उपलब्धता नहीं होने के कारण सीधे सीधे स्वास्थ्य पर असर पड़ रहा है। एक मोटे अनुमान के अनुसार यदि लोगों को पौष्टिक आहार मिलने लगे तो पांच में से एक जान तो आसानी से बचाई जा सकती है। पौष्टिक भोजन नहीं मिलने की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि 14.8 करोड़ बच्चे अविकसित हो रहे हैं तो 4.8 करोड़ बच्चे कम वजनी हो रहे हैं। केवल पौष्टिक आहार नहीं मिलने के कारण ही 50 लाख लोग डायबिटिज के शिकार हो रहे हैं। अधिक वजन और मोटापा आम होता जा रहा है। कुपोषण के कारण गैर संचारी बीमारियों की गिरफ्त आते जा रहे हैं।

हांलाकि दुनिया के देशों की सरकारें लोगों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए गंभीर है। पर इसके प्रमुख कारणों में से सहज उपलब्धता, पहुंच का अभाव, सामर्थ्य यानी कि गरीबी या पर्याप्त आय नहीं होना है। सबसे अधिक वैश्विक स्तर पर हालातों से निपटने के समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है। दुनिया के देशों को मांग और आपूर्ति की व्यवस्था को भी देखना होगा। इस सबके साथ ही हमारी बदलती जीवन शैली जिसमें अपौष्टिक खाद्य व पेय पदार्थों का सेवन आम होता जा रहा है उस पर भी रोक लगानी चाहिए और जब तक सरकारों के प्रयास सफल नहीं होते तब तक हमें भी हमारी आदतों को सुधारने की पहल करनी ही होगी। इसके सब के साथ ही दुनिया के देशों के सिविक सेंस को भी सकारात्मक बनाना होगा। हांलाकि कई देशों में होटलों, रेस्ट्रा, सामूहिक आयोजनों सहित विभिन्न आयोजनों में भोजन की बर्बादी रोकने के लिए सक्रियता दिखाई है। पर यह ऊंट के मुंह में जीरे से अधिक नहीं है। ऐसे में हमें अन्न के एक एक दाने को बचाने की सोचना होगा। जिस तरह से पार्टियों में खाने की बर्बादी होने लगी हैं यह अपने आपमें गंभीर है। बुफे के खानें में इसको आसानी से देखा जा सकता है। भले ही यह हालात हमारे देश में हो कि आयोजनों में किस तरह से लोग बुफे स्टॉल पर टूट पड़ते हैं, खाने की प्लेट को एक ही बार में भर लेते हैं और फिर जूठन के रुप में डस्टबिन को समर्पित कर देते हैं। यह तस्वीर खाने की बर्बादी को दर्शा देती है। कमोबेस यह हालात दुनिया के अधिकांश देशों में देखे जा सकते हैं। अब सोचिये इस तरह से बर्बाद खाना कितने लोगों के पेट को भर सकता है। खाने का यह दुरुपयोग आसानी से रोका जा सकता है। इसके लिए प्रकृति या व्यवस्था को दोष नहीं दिया जा सकता। इसी तरह से खेत खलिहान में व्यवस्थाओं के अभाव में होने वाली कृषि उत्पादों का नुकसान भी कम किया जा सकता है। इस तरह से अन्न और खाद्यान्नों दोनों की बर्बादी को रोका जा सकता है तो दूसरी और यह सब जरुरतमंद लोगों तक पहुंचाने के लिए विश्व खाद्य संगठन व इसी तरह की अन्य संस्थाएं आसानी से कर सकती है। सवाल सीधा सा है कि उपलब्ध खाद्यान्नों से ही समस्या को एक हद तक तो दूर किया ही जा सकता है। इसके साथ ही दुनिया के देशों की सरकारों को अन्य उपायों पर भी ध्यान देना होगा ताकि लोगों को पौष्टिक आहार मिल सके।

(ये लेखक के विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

- TDS रिफंड
- GST रजिस्ट्रेशन
- इनकम TAX फाइल
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट
- MSME रजिस्ट्रेशन
- GST रिटर्न फाइल
- CMA DATE
- फूड लाइसेंस
- BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544

D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

सेंट जेवियर स्कूल के सामने कचरा डंपिग प्वांइट को खाली कर स्वच्छ साफ सुथरा स्थल बनाया गया गया

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के जोन 02 वैशाली नगर क्षेत्र अंतर्गत कचरा डंपिंग प्वांइट को हटाने की कार्यवाही की गई। वार्ड क्रण् 14 सड़क नम्बर 09 सेंट जेवियर स्कूल के सामने कचरा डंपिंग प्वांइट बना दिया गया था। जिसकी शिकायत मिल रही थी अड़ोस-पड़ोस के लोग कचरा लाकर वहां डाल रहे थे। जिसे निगम के स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर स्थल निरीक्षण कर डंपिंग प्वांइट को व्यवस्थित किया एवं स्थल पर चेतावनी बोर्ड लगा दिया गया है। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव को शिकायत मिली थी कि जोन 02 वैशाली नगर क्षेत्र में सेंट जेवियर स्कूल के सामने कचरा डंपिंग किया जा रहा है, जहां से आने-जाने वालो को गंदगी एवं बदबु का सामना करना पड़ता था। छात्र पढ़ाई.लिखाई करते हैं, शिकायत के आधार पर आयुक्त ने निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिये, कि संबंधित स्थल का निरीक्षण कर वहां को व्यवस्थित करावे, जिससे नगर को स्वच्छ सुंदर व्यवस्थित बनाना है। निर्देश उपरांत स्वास्थ्य विभाग का अमला मौके पर पहुंच कर सफाई किया व चूने की मार्किंग की गई । स्थानी लोगों को समझाइस दी गई कि दोबारा यहां पर कोई कचरा नहीं फेंकेगा। कचरा फेकते हुए पाये जाने वालों पर चालानी कार्रवाई की जाएगी महापौर नीरज पाल ने कहा है कि ऐसी जगह का पर सौंदर्यकरण कर दिया जाएगा। इसमें स्थानी निवासियों के सहयोग की आवश्यकता पड़ेगी। हम सब का उद्देश्य है हमारा नगर निगम स्वच्छ सुंदर व्यवस्थित हो । जो सबके सहयोग से ही संभव होगा।

पेंशन प्रकरण के संबंध में आहरण एवं संवितरण अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

दुर्ग। पुरानी पेंशन योजना लागू होने पर मृत्यु/आशक्ता के प्रकरणों के निराकरण के संबंध में जिला कोषालय द्वारा आज लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में जिले के समस्त विभागों के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिला कोषालय के अधिकारियों द्वारा विभागों में लंबित ईडब्ल्यूआर के प्रकरणों में शासकीय सेवकों द्वारा ओपीएस का विकल्प चयन करने के उपरान्त पेंशन भुगतान हेतु वित्त निर्देश 10/2023 अनुसार कार्यवाही करने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में ईआरएम की आवश्यकता क्यों है, ईआरएम की प्रक्रिया और ईआरएम के संबंधित आवेदनों की कार्यवाही, ईडब्ल्यूआर की आवश्यकता, चालान सत्यापन हेतु महत्वपूर्ण बिन्दुओं के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश से अवगत कराया गया। कार्यशाला में जिला कोषालाय अधिकारी राघवेन्द्र सहित समस्त विभाग के आहरण एवं संवितरण अधिकारी उपस्थित थे।

केवीके पाहंदा द्वारा ग्रामीण युवाओं को बीज उत्पादन पर कौशल उन्नयन हेतु प्रशिक्षण

दुर्ग। ग्रामीण युवाओं को कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मैनेज हैदराबाद द्वारा प्रायोजित, डॉ. एस.एस. टूटेजा, निदेशक विस्तार सेवायें, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के निर्देशन में व डॉ. दिप्ती झा, नोडल अधिकारी के मार्ग दर्शन में कृषि विज्ञान केन्द्र, पाहंदा (अ), दुर्ग द्वारा विकासखण्ड पाटन के ग्राम सोनपुर में ''बीज उत्पादन'' पर 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विजय जैन ने बताया कि ग्रामीण युवाओं को उद्यमी एवं व्यवसायिक कौशल प्रदान कर उन्हें रोजगार देने वाले उद्यमी के रूप में तैयार करना इस प्रशिक्षण का उद्देश्य है। किसान फसल उत्पादन तो करते ही हैं पर उसी कार्य को थोड़ा तकनीकी रूप से परिष्कृत कर ले तो उत्पादित फसल को बीज के रूप में बेच कर व्यवसायिक आय और अधिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रभारी केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. ईश्वरी कुमार साहू ने बताया कि इस प्रशिक्षण में बीज उत्पादन की बारीकियों में ''बीज'' कैसे पैदा होगा इसके लिये उन्नत कृषि तकनीकों के प्रशिक्षण के लिये इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर से डॉ. अभिनव साव, डॉ. नीतिश तिवारी, बीज प्रक्रिया केन्द्र के प्रभारी एस.के. बेहरा, बीज प्रशिक्षण प्रभारी रामेश्वरी नेताम, कृषि विभाग की योजनाओं के लिये मुकेश मढरिया वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी सहित केन्द्र के वैज्ञानिक गण डॉ. ललिता रामटेके, डॉ. कमल नारायण वर्मा, डॉ. नीतू स्वर्णकार, डॉ. विनय कुमार नायक भी कृषकों को जैविक बीज उत्पादन, मृदा स्वास्थ की बीज उत्पादन में भूमिका, कृषि यंत्रों का कम आय में अधिक उत्पादन के लिये प्रयोग, सब्जी बीज उत्पादन पर प्रशिक्षण दिये।

इंडियन स्टील कॉन्फ्रेंस सेलः डीकार्बोनाइजेशन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विशेषज्ञों ने की चर्चा

कला मंदिर भिलाई में दो दिवसीय भारतीय इस्पात सम्मेलन का समापन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। डीकार्बोनाइजेशन और बुनियादी ढांचे के विकास का महत्व और भूमिका' विषय पर आयोजित सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की इस्पात नगरी भिलाई में, दो दिवसीय भारतीय इस्पात स मेलन के दूसरे दिन महात्मा गांधी कला मंदिर में इसका समापन समारोह हुआ।

प्रतिभागियो के तकनीकी पेपर की सराहना

कार्यक्रम के अंत में भारतीय इस्पात स मेलन के संयोजक एस मजूमदार द्वारा कन्क्लुडिंग रिमार्क दिया गया। उन्होंने सभी प्रतिभागियो के तकनीकी पेपर की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय इस्पात स मेलन के सभी आयोजकों को इस स मेलन में आये टेक्नीकल अकादमी से स पर्क में रहना चाहिए। मेटालर्जी के विद्यार्थियों के ज्ञान और अनुभव को स्टील इडस्ट्री के तकनीकी क्षेत्र में हो रहे नए रिसर्च को स्टील उत्पादन और डीकार्बोनाइजेशन के आगामी लक्ष्य की प्राप्ति के लिए उपयोग करना चाहिए। तकनीकी सत्रों और समापन समारोह कार्यक्रम का संचालन उप प्रबंधक (एचआर-एलएंडडी) सुष्मिता पाटला द्वारा किया गया।

स्टील इंडस्ट्री के विकास में टेक्नोलॉजी और एआई की आवश्यकता

कुलपति (सीएसवीटीयू, भिलाई) डॉ एमके वर्मा ने इस स मेलन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए स्टील इंडस्ट्री के विकास में टेक्नोलॉजी और एआई की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए टेक्नोलॉजी के विकास, डीप लर्निंग, मशीन लर्निंग, डाटा साइंस, अनालाइजिंग पर अपने विचार साझा किये। इसके बाद निदेशक प्रभारी (सेल-बीएसपी) अनिर्बान दासगुप्ता ने, कुलपति (सीएसवीटीयू, भिलाई) डॉ एम के वर्मा तथा कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) अंजनी कुमार को स्मृति चिन्ह देकर स मानित किया।

इस मौके निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता तथा कुलपति डॉ एमके वर्मा, संयंत्र के कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार, कार्यपालक निदेशक बीके गिरी तथा कार्यकारी कार्यपालक निदेशक अरुण कुमार सहित देश के विभिन्न हिस्सों से आये सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के लौह और इस्पात उत्पादक कंपनी, इस्पात निर्माण से संबंधित अनुसंधान और प्रौद्योगिकी संस्थानों के टेक्नोक्रेट, विशेषज्ञ और प्रतिनिधिगण भी मौजूद रहे। समारोह के सत्र में प्रतिभागी कंपनियों और संस्थानों के प्रतिनिधियों ने तकनीकी पेपर प्रस्तुत किया।

भारतीय इस्पात सम्मेलन का समापन, कार्यपालक निदेशक और आईआईएम भिलाई चैप्टर के अध्यक्ष अंजनी कुमार के स बोधन के साथ हुआ। अंजनी कुमार ने नेट जीरो कार्बन के लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु इस स मेलन की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए, भारत में डी-कार्बोनाइजेशन की वर्तमान स्थिति टेक्नोलॉजी के साथ कार्बन फुटप्रिंट को कम करने, ग्रीन प्रैक्टिस, ग्रीन एनर्जी, ग्रीन स्टील, सस्टेनेबल एनर्जी और समाधान पर जोर दिया। भिलाई इस्पात संयंत्र के संजीव वर्गीस द्वारा 'सिंटर प्लांट में डीकार्बोनाइजेशन पहल' विषय पर तथा आरडीसीआईएस बोकारो सब सेंटर के अभिजीत दास द्वारा 'सर्फेक्टेंट-एन्हांस्ड क्रेंचिंग वाटर के साथ कोक नमी कम करने की रणनीति' विषय पर तकनीकी पेपर प्रस्तुत किया गया। एनआईटी-रायपुर से हूमा अफरीन ने 'कंक्रीट उत्पादन में आंशिक प्रतिस्थापन के रूप में स्टील स्लैग का उपयोग: एक समीक्षा' विषय पर तथा सीईटी-रांची से सोमराज चक्रवर्ती ने 'इस्पात उद्योग में हाइड्रोजन का उपयोग: इस्पात उद्योग से कार्बन उत्सर्जन को कम करने का रोडमैप' विषय पर तकनीकी पेपर प्रस्तुत किये। सत्र अध्यक्ष, पूर्व सीईओ (सेल-बीएसपी) वी के अरोरा और प्रतिवेदक सीजीएम इंचार्ज (एम एंड यू, बीएसपी-सेल) असित साहा के द्वारा सारांश प्रस्तुत किया गया।

अटल टिकरिंग लैब विद्यार्थियों के लिए खोज एवं अविष्कार का प्लेटफार्म - कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी ने कहा कि अटल टिकरिंग लैब कक्षा छटवीं से बारहवीं तक विद्यार्थियों के लिए खोज एवं आविष्कार का प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के साथ-साथ बच्चों में रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच विकसित करता है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर विद्यार्थियों को इस लैब का अधिकत्तम लाभ दे सकते हैं। कलेक्टर सुश्री चौधरी आज शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वैशालीनगर में अटल टिकरिंग लैब के नोडल शिक्षकों का दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए उक्त विचार व्यक्त किये। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान युग डिजीटल युग हैं, इसमें आने वाले पीढ़ी को कम्प्यूटर कोडिंग की भाषा जानना बहुत आवश्यक है। कलेक्टर ने कहा कि भविष्य में बच्चों को लैब के माध्यम से कोडिंग प्रशिक्षण दिये जाने की योजना है। इस अवसर पर कलेक्टर ने अटल टिकरिंग लैब में विद्यार्थियों के द्वारा तैयार किये गये प्रादर्शों का अवलोकन कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी के पहल पर जिले में पहली बार समस्त शासकीय विद्यालयों में संचालित अटल टिकरिंग लैब के नोडल शिक्षकों का दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय वैशाली नगर में किया जा रहा है। समग्र शिक्षा, जिला प्रशासन एवं यूनिसेफ के तकनीकी सहयोग से जिले के सभी अटल टिकरिंग लैब के सुदृढ़ीकरण एवं बालिकाओं के लिए कोडिंग कार्यक्रम का शुभारंभ जिले में किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मक विचार, समस्या को चिन्हित करने, कम्प्यूटर एवं डिजीटल की ओर समक्ष बनाना है। इस कार्यशाला में जिले के 20 नोडल शिक्षक सम्मिलित हुए है। यूनीसेफ की शिक्षा विशेषज्ञ छाया कवंर एवं समन्वयक सुश्री रंजू के द्वारा लेट्स कोड प्रोग्राम फॉर गर्ल्स के पोस्टर का विमोचन किया गया।

विश्व हिंदू परिषद ने मनाया षष्ठीपूर्ति स्थापना दिवस

60 वर्षों के सफर को किया याद

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। विश्व हिंदू परिषद ने अपनी 60वीं वर्षगांठ के अवसर पर भव्य षष्ठीपूर्ति स्थापना दिवस का आयोजन अग्रसेन भवन, सेक्टर 6, भिलाई नगर में किया। इस विशेष समारोह में कई प्रमुख अधिकारियों ने भाग लिया और संस्था की ऐतिहासिक यात्रा की सराहना की। इस दौरान 60 वर्षों में किए गए कार्यों को याद किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता केंद्रीय एवं केंद्र सेवा विभाग के प्रमुख अजय पारीक ने संस्था की 60 वर्षों की यात्रा और उसकी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। महंत वेदप्रकाशाचार्य महाराज, प्रांत धर्माचार्य प्रमुख ने धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व पर जोर दिया। पंडित मनोज पांडे ने भारतीय संस्कृति के संरक्षण की आवश्यकता को रेखांकित किया।

इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामूहिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सभी उपस्थित लोगों ने भारतीय संस्कृति और समाज की एकता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और भविष्य में निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया। समारोह में प्रांत मंत्री विभूति भूषण पाण्डेय, प्रांत सह मंत्री नंदू राम साहू, जिला अध्यक्ष मनीष बुचासिया, जिला मंत्री बबलू सिंह और जिलेभर के समस्त कार्यकर्ता भी उपस्थित थे।

बेदखली अभियान में तोड़े गये दुकानदारों के लिए बनेगा व्यवस्थित वेडिंग जोन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। महापौर नीरज पाल की अध्यक्षता में नगर निगम भिलाई में एमआईसी की बैठक आहूत की गई। जिसमे जनता के हितार्थ विभिन्न बिन्दुओ पर विचार विमर्श करके निर्णय लिया गया। समिति के समक्ष प्रमुख रूप से जलकार्य विभाग द्वारा श्रम विभाग द्वारा निर्धारित श्रमिक दर के आधार पर कुशल, अर्द्धकुशल एवं अकुशल श्रमिक प्लेसमेंट एजेंसी के माध्यम से प्राकल्न विचारार्थ प्रस्तुत किया गया था।

जिसमें 15 कुशल, 28 अर्द्धकुशल एवं 39 अकुशल श्रमिक उपलब्ध कराने हेतु 152.25 लाख का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। चर्चा उपरांत समिति ने प्रशासनिक, तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति तथा बजट आबंटन करते हुए सर्व सम्मति से अनुशंसा प्रदान की। जिससे नगर को पेयजल की पूर्ति पर्याप्त मात्रा में हो सके। जोन क्रं. 01 नेहरू नगर अंतर्गत शंकरा कालेज के समीप एवं वार्ड क्रं. 01 जुनवानी चैंक के पास वेडिंग जोन निर्माण करने के संबंध में प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। जिसकी समिति ने प्रशंसा की समिति के सदस्यों ने स्थल पर वेडिंग जोन बनाने से पहले यह चिन्हित करने के लिए कहा कि वहां स्थानीय रूप से जिन विक्रेताओ द्वारा व्यापार किया जा रहा था, उन्हे ही व्यवस्थापित किया जावे। गौरतलब है, कि उपरोक्त स्थानो पर बेदखली की कार्यवाही की गई थी। उन्ही दुकान संचालको को वेडिंग जोन बनाकर व्यवस्थापित करने के लिए प्रस्ताव रखा गया था। समिति का सुझाव था कि जिन व्यापारियो को वहां से बेदखल किया गया है, उन्ही को ही दुकाने प्रदान किया जाये। नगर निगम भिलाई के जोन 01 द्वारा बेदखली के पूर्व सभी की सूची बना ली गई थी। सभी के फेटोग्राफ एवं वीडियो शुटिंग भी कराया गया है। सभी सदस्यो का मत था कि वेडिंग जोन व्यवस्थित होना चाहिए, सभी सुविधा युक्त होना चाहिए। स्थानीय व्यापार करने वालो के अतिरिक्त जगह बचती हो तो शासन द्वारा निर्धारित मापदण्डो का पालन करते हुए अन्य लोगो को आबंटन किया जावे। सभी सुविधा युक्त मानचित्र बनाकर अगली बैठक में प्रस्तुत करने को कहा। बैठक में महापौर परिषद के सदस्य सीजू एन्थोनी, लक्ष्मीपति राजू, साकेत चंद्राकर, केशव चैबे, आदित्य सिंह, एकांश बंछोर, मन्नान गफ्फार खान, मालती ठाकुर, चन्द्रशेखर गंवई, नेहा साहू, रीता सिंह गेरा सहित आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव, उपायुक्त नरेन्द्र बंजारे एवं संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

अखिलेश यादव से मुलाकात कर युवा अध्यक्ष मंतोष यादव ने छत्तीसगढ़ के मौजूदा राजनीतिक हालात पर की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। समाजवादी पार्टी युवा अध्यक्ष मंतोष यादव ने बातचीत में बताया कि लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी का घमंड तोड़ने के बाद समाजवादी पार्टी क्रमशः सभी प्रदेशों के सांगठनिक पदाधिकारियों से लगातार मीटिंग कर रही है, इसी संबंध में छत्तीसगढ़ इकाई की भी मीटिंग रखी गई थी, जिसमें प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर चर्चा हुई और आने वाले लोकल बॉडी के चुनाव को लेकर चर्चा हुई।

संगठन को छत्तीसगढ़ में कैसे मजबूत किया जाय ये सब बाते प्रमुखता से राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव जी से हुई। उन्होंने कहा पार्टी को पूरे देश मे मजबूत करना हैं उसके लिए हरसंभव प्रयास करना होगा, संगठन को मजबूत कर चुनावी रणनीति जल्द बनाई जाएगी। भारतीय जनता पार्टी बहुत ओछी राजनीति करने वाली पार्टी हैं इनसे सावधान होकर हमे अपना काम करना हैं ये जब देखते हैं कि हम मजबूत हो रहे हैं तो हमारे पदाधिकारियों को फर्जी मामलों मे फंसाने का षडयंत्र करते हैं। मंतोष यादव ने कहा की छत्तीसगढ़ के लोगों को भारतीय जनता पार्टी गुमराह कर रही हैं, प्रदेश मे जुआ, सट्टा, युवाओं को बर्बाद करने वाला नशा सब चल रहा हैं और ये सब भारतीय जनता पार्टी के लोगों के मिली भगत से हो रहा हैं। इनके बड़े नेता युवाओं को बर्बाद कर रहे हैं। प्रदेश मे क्राइम बढ़ गया हैं कोई लगाम नहीं हैं। जब युवा नौकरी मांगते हैं तो उन्हें लाठी मिलती हैं। फ़िलहाल प्रदेश दिल्ली के इशारों पर चल रहा हैं। छत्तीसगढ़ के लोगों को धोखा मिल रहा है। ये सारी बाते समाजवादी पार्टी प्रमुखता से उठाएगी और ढाई करोड़ लोगों के आवाज को लेकर सड़क पर उतरने का काम करेगी।

लखनऊ मीटिंग में गए पदाधिकारियों मे प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष नेता गयूर सिद्दीकी, लोहिया वाहिनी प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रसेन यादव आदि शामिल रहे।

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

दुकानें सील होने पर सभी बकाएदारों ने तुरंत जमा करा दी निगम को राशि

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के आदेशानुसार एवं अपर आयुक्त राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता एवं उपायुक्त डॉक्टर आरके डोंगरे के निर्देशानुसार चलाए जा रहे बकाया राजस्व वसूली अभियान के तहत जोन क्रमांक 7 के राजस्व विभाग द्वारा जोन कमिश्नर प्रीति सिंह के निर्देश पर सहायक राजस्व अधिकारी अमरनाथ साहू के नेतृत्व में अभियान चलाकर बकायादारों की दुकानों में सीलबंद की कार्यवाही की गयी।

सीलबंद की कार्यवाही के दौरान स्थल पर वार्ड क्रमांक 23 के बुद्धि सागर साहू से 46300 रुपये, अभिजीत दास से 39639 रुपये, पवन टाटेड से 454000 रुपये, प्रमित नियोगी से 159150 रुपये तथा वार्ड क्रमांक 39 समता कॉलोनी से आशीष डीडवानिया से 223000 रूपये तथा फणीश्वर निषाद वार्ड क्रमांक 23 से 222330 रुपये, वार्ड क्रमांक 38 से संजय ठाकुर से 137736 रुपये का बकाया राजस्व स्थल पर तत्काल प्राप्त हुआ।

पर्युषण पर्व सहित अन्य पर्वों पर मांस-मटन विक्रय प्रतिबंधित

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम ने आगामी धार्मिक पर्वों के दौरान मांस और मटन विक्रय

पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। यह प्रतिबंध पर्युषण पर्व, श्री गणेश चतुर्थी, डोल ग्यारस, अनंत चतुर्दशी, और संवत्सरी एवं उत्तम क्षमा पर्व के अवसर पर लागू रहेगा।

प्रमुख तिथियां

* **पर्युषण पर्व का प्रथम दिवस: 31 अगस्त 2024**
* **श्री गणेश चतुर्थी: 7 सितम्बर 2024**
* **पर्युषण पर्व का अंतिम दिवस: 8 सितम्बर 2024**
* **डोल ग्यारस: 14 सितम्बर 2024**
* **अनंत चतुर्दशी: 17 सितम्बर 2024**
* **संवत्सरी एवं उत्तम क्षमा पर्व: 18 सितम्बर**

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के निर्देशानुसार, रायपुर नगर पालिक निगम के स्वास्थ्य विभाग ने आदेश जारी किया है कि इन तिथियों पर रायपुर नगर पालिक निगम के सम्पूर्ण परिक्षेत्र में स्थित पशुवध गृह और सभी मांस-मटन विक्रय की दुकानों को बंद रखा जाएगा। किसी भी दुकान में मांस-मटन का विक्रय करते पाए जाने पर संबंधित मांस-मटन को जप्त करने के साथ-साथ विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिक निगम के जोन स्वास्थ्य अधिकारी और स्वच्छता निरीक्षक इन आदेशों के अनुपालन की निगरानी करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि संबंधित क्षेत्र में मांस-मटन की बिक्री न हो। यह प्रतिबंध धार्मिक भावनाओं का सम्मान करते हुए और नगर में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से लगाया गया है।

इन हाउस हुआ तैयार, मिला बेस्ट 'इनोवेशन' का अवार्ड

रेलवे फाटकों पर गेट सिग्नल के लिए सिंगल बटन ऑपरेशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के सिग्नल एवं दूरसंचार विभाग द्वारा इन हाउस तैयार किए गए इनोवेशन को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही के लिए 'सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन' का अवार्ड दिया गया है। इस इनोवेशन में रेलवे फाटकों पर गेट सिग्नल के लिए सिंगल बटन ऑपरेशन को प्रमुखता दी गई। यह समपार फाटकों पर सरल ऑपरेशन प्रक्रिया से संरक्षा के साथ ट्रेनों एवं सड़क मार्ग के उपयोगकर्ताओं के समय की बचत का बेहतर माध्यम साबित हुआ है।

हाल के वर्षों में ऑटोमैटिक सिग्नलिंग के कार्यान्वयन में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और अब यहां के कई सेक्शनों में आधुनिक एवं उन्नत सिग्नलिंग सिस्टम लगाए गए हैं। समपार फाटकों पर पहले प्रत्येक बार सिग्नल देने के लिए प्रत्येक लाइन के लिए दिये गए सिग्नल के बटन को घुमाया जाता था, जिसके कारण ट्रेन संचालन में देरी की संभावना होती थी। गेटमैन के लिए भी यह पारंपरिक सिग्नलिंग बटन और संचालन भी

थोड़ा चुनौतीपूर्ण होता था । इन समस्याओं को दूर करने के लिए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय के सिग्नल और दूरसंचार विभाग के ड्राइंग और डिजाइन अनुभाग ने प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता के नेतृत्व में एक अभूतपूर्व इनोवेशन पेश किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा इस इनोवेशन को वित्तीय वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही के लिए 'सर्वश्रेष्ठ इनोवेशन' का प्रथम रैंक प्राप्त हुआ है। इस नए इनोवेशन का उद्देश्य समपार फाटक संचालन में दक्षता बढ़ाना है, जिससे ट्रेन की गति सुगम हो सके और संचालन में देरी न हो । यह प्रणाली दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के उरगा रोड़ -कोरबा रेलखंड के 03 समपार फाटकों, कोरबा-कुसमुंडा रेलखंड के 02 समपार फाटकों व भिलाई के 01 समपार फाटक पर लगाई गई है तथा अन्य समपार फाटकों पर इस प्रणाली को लगाने का कार्य प्रगति पर है। समपार फाटकों पर गेट सिग्नल के लिए सिंगल-बटन ऑपरेशन का कार्यान्वयन रेलवे संचालन को आधुनिक बनाने और सभी के लिए एक संरक्षित, समयबद्ध और अधिक विश्वसनीय रेलवे नेटवर्क प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इस नए सिस्टम से लाभ

- नए सिंगल-बटन ऑपरेशन से ट्रेन संचालन सुचारू और समयबद्ध संपादित होगा । जिससे यात्रा समय में भी बचत सुनिश्चित होगी।
- ऑपरेशन प्रक्रिया को सरल बनाने से मानवीय त्रुटियों का जोखिम काफी कम हो जाता है। इससे समपार फाटकों के साथ ही ट्रेनों, यात्रियों और सड़क उपयोगकर्ताओं की संरक्षा भी सुनिश्चित होती है।
- इन हाउस बनाए गए इस सिस्टम को लागू करने के लिए कोई अतिरिक्त लागत भी नहीं लगती हैं।
- सुव्यवस्थित ऑपरेशन से फाटकों का प्रबंधन अधिक कुशलता से की जा सकती है, जिससे समपार फाटकों पर वाहनों और पैदल चलने वालों के लिए कम व्यवधान और कम प्रतीक्षा समय सुनिश्चित हो सकेगी।
- सरल प्रक्रिया के साथ गेटमैन गुजरने वाली ट्रेनों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकते हैं, जिससे ट्रेनों की संरक्षा भी सुनिश्चित हो सकेगी।
- कई लाइनों वाले सेक्शनों में, यह इनोवेशन ट्रैफिक प्रबंधन को आसान बनाएगा, जिससे अधिक ट्रैफिक में समग्र गतिशीलता में सुधार होगा।
- ट्रेनों से यात्रा करने वाले और समपार फाटक पार करने वाले दोनों को सुगम संचालन और संरक्षा का लाभ मिलेगा, जिससे उनकी यात्रा अधिक आरामदायक और तनाव-मुक्त होगी।

कलेक्टर ने उड़ान कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को बताए सफलता के मूलमंत्र

- क्लास में कभी टॉप नहीं, बल्कि दूसरा स्थान ही किया हासिल: कलेक्टर डॉ. सिंह
- लक्ष्य, दृढ़संकल्प, जज्बा और मेहनत, मूलमंत्र से निश्चित ही मिलेंगे सकारात्मक परिणाम: डॉ. सिंह
- कक्षाओं में प्रथम स्थान हासिल करना सफलता का नहीं है पैमाना, हमेशा कीजिए बेहतर
- हर बच्चे में आलौकिक प्रतिभाएं, पालक बच्चों पर न बनाएं दबाव
- कलेक्टर, निगम आयुक्त और जिला पंचायत सीईओ ने विद्यार्थियों के अलग-अलग सवालों के दिए जवाब

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने आमापारा स्थित पीएम श्री पंडित आरडी तिवारी अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय में उड़ान कार्यक्रम के तहत शालेय विद्यार्थियों के लिए प्रेरक उद्बोधन एवं संवाद की शुरूआत की। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने विद्यार्थियों को सफलता का मूलमंत्र बताते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ लक्ष्य निर्धारत कर कड़ी मेहनत करनी चाहिए। इसके लिए पदचिन्ह तय करने की जरूरत है। हर विद्यार्थियों को अपने लिए पढ़ाई करनी चाहिए। इससे माता-पिता की पहचान बनने के साथ गांव, परिवार का नाम रौशन होता है। उन्होंने अपने पुराने अनुभव साझा करते हुए कहा कि असफलता मिलती तो कभी घबराएं नहीं। कलेक्टर ने कहा कि मैंने कभी कक्षाओं में कभी प्रथम स्थान हासिल नहीं किया, बल्कि द्वितीय स्थान पर ही रहा। शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज से अध्ययन किया और बाद में मास्टर आईआईटी से किया, लेकिन लक्ष्य सोचा था उसके लिए मेहनत की और यूपीएससी पास कर आईएएस बनकर गांव लौटा तो पूरा गांव गौरवान्वित हो उठा।

डॉ. सिंह ने कहा कि कोई भी चीज को पाने के लिए लक्ष्य निर्धारित करने के साथ दृढ़संकल्पित होना जरूरी है। साथ ही जज्बा और कड़ी मेहनत से निश्चित ही सकारात्मक परिणाम आता है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों में सीखने, समझने की जिज्ञासा होनी चाहिए। पढ़ाई को बोझ समझने से बेहतर हैं कि खेल की तरह मन लगाकर करें। कलेक्टर डॉ. सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को कड़ी मेहनत कर कुछ बड़ा कर गुजरने की चाहत होनी चाहिए। जीवन में कठिनाई के दौर भी आते हैं, लेकिन मेहनत ही सफलता दिलाती है। वहीं समय ही खुशियों का पल होता है। कलेक्टर डॉ. सिंह ने पालकों से भी आग्रह किया कि कोई भी पालक अपने बच्चों उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए दबाव न बनाएं। प्रत्येक विद्यार्थियों ने आलौकिक प्रतिभा लेकर जन्म लिया है। उन्होंने कहा कि कक्षा में प्रथम स्थान हासिल करना ही सफलता का पैमाना नहीं हैं, बल्कि कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चित से ही विद्यार्थी सफल होता है।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि यूपीएससी में चयनित अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में सबसे सरल सवाल पूछे जाते हैं। सर्वप्रथम अभ्यर्थियों से बेसिक जानकारी ली जाती है और अभ्यर्थियों के व्यक्तित्व के बारे में सवाल किए जाते हैं। इंटरव्यू के दौरान अनेकों सवाल होते है। हर विद्यार्थियों को अखबार पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। इससे देश-विदेश की जानकारी मिलती है। साथ ही उन्होंने कहा कि नीट और जेईई की तैयारी के लिए ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा प्रारंभ की गई है। इसका लाभ अधिक से अधिक बच्चे उठा सकते है और अपना भविष्य बेहतर बना सकते है। साथ ही कलेक्टर ने विद्यार्थियों के सवालों के जवाब भी दिए।

नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने बच्चों को अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कक्षा 6 वीं से 12 वीं तक हर बच्चों को कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। क्योंकि इसी दौरान विद्यार्थियों को इतिहास की बेहतर जानकारी मिलती है। यहीं आगे की पढ़ाई में बहुत ही कारगर साबित होती है। जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को यूपीएससी की तैयारी करने से पहले सिलेबस की जानकारी रखें। जब भी पढ़े सिद्दत के साथ पढ़ाई करें और अनुभवी लोगों से जानकारी लें। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद, जिला शिक्षा अधिकारी विजय खंडेलवाल, समग्र शिक्षा जिला समन्वयक केएस पटले समेत स्कूल के शिक्षक, पालकगण व बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

लोगों को साक्षर करने का काम अभियान के रूप में लेः विश्वदीप

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। लोगों को साक्षर बनाने से ही देश का विकास होता है। जब लोग साक्षर होगें तो वे अपने और देश के बारे में सोंच सकेगें। इसलिए लोगों को साक्षर करने के काम को अभियान के रूप में ले। सब अपने आस के ऐसे लोग साक्षर नहीं है, उनको उनके कार्यस्थल या उनके निवास स्थान पर खाली समय में जाकर साक्षर करें।

उन्होंने कहा कि साक्षरता ऐसी है जैसे मनुष्य के जीवन में सांस। उक्त बातें आज डाइट कार्यालय में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण नवभारत उल्लास साक्षरता कार्यक्रम के दौरान जिला साक्षरता मिशन के उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप ने कही। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में उपस्थित कुशल प्रशिक्षकों और संकुल प्रभारियों को कहा कि साक्षरता के काम को अभियान के रूप में ले। ताकि जिले के हर व्यक्ति साक्षर हो। इस दौरान उन्होने बताया कि 15 वर्ष के ज्यादा उम्र वाले 30 हजार लोगों को साक्षर करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। साथ ही उन्होंने मास्टर ट्रेनरों और संकुल प्रभारियों को चिन्हित करने को भी कहा।

कार्यक्रम के दौरान साक्षरता मिशन के सभी शिक्षकों को मास्टर ट्रेनरों के द्वारा प्रशिक्षित किया गया। वहीं शिक्षकों के लिए उल्लास मेले का आयोजन किया गया था। जिसके माध्यम से मौजूद शिक्षको ने उपाध्यक्ष श्री विश्वदीप को बताया कि लोगों को कैसे शिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम के अंत में मौजूद सभी को उल्लास शपथ भी दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान साक्षरता मिशन की संयोजक श्रीमती डॉ कामिनी, सह संयोजक चुन्नीलाल शर्मा सहित जिले के सभी सक्षरता मिशन के मास्टर ट्रेनर और संकुल प्रभारी उपस्थित थे।

सरकार ने स्कूलों-शिक्षकों के युक्ति युक्तकरण का फैसला किया स्थगित

श्रीकंचनपथ न्यूज

फाइल फोटो

रायपुर। राज्य सरकार ने स्कूलों और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरण का फैसला स्थगित कर दिया है। संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई है कि, फ्लिहाल इसे ड्रॉप कर दिया जाए। इससे शिक्षकों में खुशी की लहर है। शिक्षकों के व्हाट्सएप ग्रुप में बधाइयों की झड़ी लग गई है। वे बेहद खुशी से इस फैसले का स्वागत कर रहे हैं।

युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया शुरू होने के बाद प्रदेश भर के शिक्षक संगठनों ने एकजुट होकर लगातार इसका विरोध किया। शिक्षक नेताओं ने 16 सितंबर को स्कूलों में हड़ताल का ऐलान कर दिया था। हड़ताल की नोटिस के बाद सरकार ने उन्हें बातचीत के लिए बुलाया। बुधवार को पहले डीपीआई के साथ उनकी बातचीत हुई। इसके बाद सचिव स्कूल शिक्षा के साथ वार्ता हुई। लेकिन इस बातचीत का कोई निष्कर्ष नहीं निकला। शिक्षक संगठन के नेता युक्तियुक्तकरण के विरोध से पीछे नहीं हटे।

शिक्षक नेताओं को सत्ताधारी पार्टी के नेताओं का भी समर्थन मिल रहा था। शिक्षक नेता जिस नेता को ज्ञापन सौंपने जा रहे थे, नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के चलते उन्हें मजबूरी में रिस्पांस देना पड़ रहा था। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव ने तो बकायदा मुख्यमंत्री को पत्र लिखा था कि, युक्तियुक्तकरण के फैसले पर विचार किया जाए। जानकारों का कहना है कि, नगरीय निकाय चुनावों में 25-50 वोटों से फैसला होता है। शिक्षकों के विरोध के चलते चुनाव में पासा पलट सकता था। शायद इसलिए सरकार ने इस प्रक्रिया को स्थगित कर दिया है।

लाभार्थी परिवार ने दादा गुरूदेव की प्रतिमा, अखंड दीपक व कलश की स्थापना

भगवान की आराधना न कर सको तो मंदिर की साफ-सफाई ही कर दीजिएः विजय जी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। न्यू राजेंद्र नगर स्थित वर्धमान जैन मंदिर के मेघ-सीता भवन में दादा गुरूदेव की इकतीसा शुरू हुई। मंदिर में सुबह गाजे-बाजे के साथ दादा गुरूदेव की प्रतिमा, अखंड दीपक और कलश की स्थापना की गई। पूज्य पंन्यास श्रमणतिलक विजय जी आदि ठाणा की पावन निश्रा में मंत्रोच्चार के साथ लाभार्थी परिवारों ने गुरूदेव की प्रतिमा, 11 दिनों तक जलने वाले अखंड दीपक और चांदी के कलश की स्थापना की और तोरण लगाया गया। वर्धमान जैन मंदिर में आज दादा गुरूदेव का इकतीसा जाप शुरू हो चुका है जो 8 सितंबर चक चलेगा। इकतीसा जाप के शुभारंभ के अवसर पर दादा गुरुदेव प्रतिमा स्थापना के लाभार्थी जसराज, पुष्पदेवी, ललित कुमार बेगानी परिवार रहे। कलश स्थापना के लाभार्थी निर्मलादेवी, शांतिलाल पिंचा परिवार रहे, अखंड दीपक के लाभार्थी कमलादेवी पुखराज, अनिल कुमार, संध्या देवी लोढ़ा परिवार रहे। वहीं, तोरण के लाभार्थी इंदरचंद, महावीरचंद कोचर परिवार, शैलेंद्र नगर, रायपुर रहे।

वर्धमान जैन मंदिर में चल रहे आत्मकल्याण वर्षावास 2024 की प्रवचन श्रृंखला में बुधवार को परम पूज्य श्रमणतिलक विजय जी ने 63 शलाका ग्रंथ पर आधारित भगवान महावीर स्वामी जी के जीवन का सार बताते हुए कहा कि चातुर्मास के दौरान हम जीवन जीने और मोक्ष को प्राप्त करने की शिक्षा लेते हैं। इन चार महीना में हमें अपने जीवन को धन्य कर लेना है, आत्मा को पुण्य बनाना है। जबकि आज लोग इसके उलट काम करते हैं, भगवान का स्थान मंदिर में होना चाहिए तो आज उन्हें मोबाइल में लाकर बैठा दिया गया है, यह भगवान के लिए बहुत ही नीचे का स्थान है, ऐसा नहीं करना चाहिए। मुनिश्री ने आगे कहा कि आज लोग मंदिर में भगवान को चॉकलेट चढ़ाते हैं यह हमारी ही डीवैल्युएशन हो रही है। जब आप किसी के घर जाते हैं तो क्या आप उन्हें चॉकलेट देते हैं। बच्चों को चॉकलेट दे दिया तो यह चलता है लेकिन क्या बड़े बुजुर्गों को आप चॉकलेट देना पसंद करेंगे। आपको भगवान को चावल चढ़ाना चाहिए, दूध चढ़ाना चाहिए जबकि लोग चढ़ाते तो हैं लेकिन कितना सा चावल, एक मुट्ठी भर भी नहीं। दूध भी एक लोटे के बराबर नहीं होता और ऊपर से उसमें पानी मिला देते हैं। आपको उत्तम पदार्थ से भगवान की भक्ति करनी चाहिए। लोग आज घूमते-फिरते खाली हाथ मंदिर चले जाते हैं और भगवान से अपने स्वार्थ की चीजें मांगते हैं। इसके साथ ही वह मंदिर में रखे पदार्थ से ही भगवान का अभिषेक-पूजन करके वापस आ जाते हैं। जबकि आपको खुद के द्रव्य से पूजा करनी चाहिए जितनी शक्ति है उतना द्रव्य लगाइए। यदि द्रव्य लगाने की शक्ति नहीं है तो मंदिर की साफ-सफाई कर लीजिए, भगवान के दर्शन करने आने वाले लोगों को आप माला गूंथ कर दीजिए। जब भगवान के लिए हमारे अंदर भाव ही नहीं होगा तो भगवान भी हमारी मदद नहीं कर पाएंगे।

मेघराज बेगानी धार्मिक एवं परमार्थिक ट्रस्ट के अध्यक्ष धर्मराज बेगानी और आत्मकल्याण वर्षावास समिति के अध्यक्ष अजय कानूगा ने बताया कि न्यू राजेंद्र नगर स्थित वर्धमान जैन मंदिर में आत्मकल्याण वर्षावास 2024 के अंतर्गत चल रहे प्रवचन श्रृंखला में भगवान महावीर के जीवन को सूक्ष्मता से जानने का अवसर मिल रहा है। प्रतिदिन सुबह 9 से 10 बजे मंदिर में मुनिश्री की प्रवचनमाला जारी है। आप सभी इसका अधिक से अधिक लाभ ले और अपने जीवन को सफल बनाएं।

अनन्या की सीरीज कॉल मी बे का फर्स्ट ट्रैक वेख सोनिया रिलीज

अनन्या पांडे की मोस्ट अवेटेड सीरीज कॉल मी बे का ट्रेलर रिलीज होते ही फैंस के बीच एक्साइटमेंट बढ़ गई है। इसी बीच आज सीरीज का पहला गाना वेख सोनेया भी रिलीज कर दिया गया है। जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं। इसी बीच गाने को लेकर अनन्या ने अपना एक्सपीरियंस शेयर किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से इस सॉन्ग के साथ उनके इमोशंस जुड़े हुए हैं।

सीरीज के बारे में बात करते हुए अनन्या ने कहा- ट्रेलर रिलीज होने के बाद लोगों का प्यार और एक्साइटमेंट देखकर मैं बहुत खुश हूं। मैं अपने किरदार बेला और सीरीज के बारे में इससे बेहतर कुछ नहीं सोच सकती। जब मैंने पहली बार 'वेख सोनेया' सुना, मैं उससे जुड़ गई, इसने वाकई मेरा दिल जीत लिया और मेरी प्लेलिस्ट में बार-बार बजता रहा। ऐसा शानदार गाना बनाने के लिए म्यूजिक टीम को बहुत-बहुत बधाई, जिसने मेरे साथ ही काफी लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

सॉन्ग को आवाज देने वाले म्यूजिशियन चरण ने कहा, 'वेख सोहनेया' एक अलग ही एक्सपीरियंस देने वाला गाना है। हम एक ऐसा गाना बनाना चाहते थे जो सीरीज के इमोशंस को अच्छी तरह दर्शा सके। जो अनन्या के किरदार बॉम्बे की वाइब्स को दर्शाता हो। मैं इस ट्रैक के साथ कॉल मी बे की दुनिया में कदम रखने वाले दर्शकों के लिए काफी एक्साइटेड हूं।

धर्मा एंटरटेनमेंट की नई रिलीज कॉल मी बे को करण जौहर, अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा की तिकड़ी ने प्रोड्यूस किया है। इस सीरीज के आठ एपिसोड हैं जिसमें वीर दास, गुरफतेह पीरजादा, वरुण सूद, विहान समत, मुस्कान जाफरी, निहारिका लायरा दत्त, लिसा मिश्रा, मिनी माथुर जैसे कलाकार शामिल हैं। कॉल मी बे 6 सितंबर को भारत और 240 देशों में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने के लिए तैयार है।

फिल्म स्वयंभू के लिए घुड़सवारी व तीरंदाजी की ट्रेनिंग ले रहीं अभिनेत्री संयुक्ता मेनन

अभिनेत्री संयुक्ता अपनी आगामी फिल्म स्वयंभू के लिए निखिल सिद्धार्थ के साथ कड़ी मेहनत कर रही हैं। वह फिल्म के लिए घुड़सवारी, तीरंदाजी और पार्कौर का प्रशिक्षण ले रही हैं। हाल ही में, संयुक्ता ने इंस्टाग्राम पर घुड़सवारी सीखने की एक तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लिखा है कि यह अनुभव उनके लिए कितना आध्यात्मिक है। उन्होंने लिखा, एक एक्टर के रूप में मैं दैनिक आधार पर अलग-अलग चीजों का अनुभव करने के लिए खुद को भाग्यशाली मानता हूं। अपनी अगली फिल्म, स्वयंभू के लिए, मैं घुड़सवारी सीख रही हूं और मुझ पर विश्वास करें, यह एक आध्यात्मिक यात्रा रही है।

घोड़े के साथ सामंजस्य और तालमेल में रहना, घोड़े की आत्मा में गहराई से देखना। और यह सुनिश्चित करना कि हम एक टीम के रूप में एक साथ काम कर रहे हैं, सुंदर और आनंददायक है! मैंने प्रत्येक गिरावट को एक सीढ़ी के रूप में लिया, बाधा के रूप में नहीं। स्वयंभू एक ऐसे सम्राट की कहानी है, जिसने इतिहास में स्वर्ण युग की स्थापना की। इसका निर्देशन भरत कृष्णमाचारी और आदित्य बहुधानम ने किया है।

संयुक्ता, चरण तेज उप्पलापति द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म में भी नजर आएंगी। यह चरण तेज के निर्देशन में पहली फिल्म होगी। इसमें काजोल, प्रभु देवा, नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन और जिशु सेनगुप्ता, आदित्य सील, प्रमोद पाठक और छाया कदम हैं। यह फिल्म एक प्रतिशोधी मिशन पर निकली महिला माया (काजोल) के बारे में एक रिवेंज ड्रामा है।

वह जीतू जोसेफ द्वारा लिखित और निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म राम में भी नजर आएंगी। यह दो हिस्सों वाली फिल्म सीरीज की पहली सीरीज है। फिल्म में मोहनलाल मुख्य भूमिका में हैं। रॉ एजेंट राम मोहन को एजेंसी द्वारा बेल नामक आतंकवादी समूह से निपटने के लिए बुलाया जाता है, जिसके पास भारत को नष्ट करने में सक्षम परमाणु हथियार हैं। संयुक्ता ने 2016 में मलयालम फिल्म पॉपकॉर्न से अभिनय की शुरुआत की। इसके बाद उन्हें कल्कि, एडक्कड़ बटालियन 06, भीमला नायक, बिम्बिसार, गालीपता 2, वाथी और विरुपाक्षा जैसी फिल्मों में देखा गया।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने सिजलिंग येलो बॉडीकॉन ड्रेस पहन गिराई बिजली

देखिए एक्ट्रेस का कातिल अवतार

बॉलीवुड एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग फैशन सेंस के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह आए दिन अपनी लेटेस्ट तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर फैंस को अपने हुस्न का दीवाना बनाए रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं।

इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो अक्सर इंटरनेट पर बवाल मच जाता है। हालांकि इन फोटोज में भी एक बार कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक्ट्रेस ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में येलो कलर का बॉडीकॉन ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें वो काफी हॉट दिखाई दे रही हैं।

खुले बाल, हाई हील्स और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस रकुल प्रीत सिंह ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

जले हुए बर्तन को साफ करने में छूट रहे हैं पसीने, तो इस ट्रिक से करें 5 मिनट में बर्तनों को साफ

फैमिली बड़ी हो या छोटी रोजाना खाना बनाते वक्त कुछ ना कुछ बर्तन जल ही जाते हैं, जिससे रसोई में काम करने वाली अधिकतर महिलाएं काफी परेशान रहती है। क्योंकि जले हुए बर्तनों को साफ करना एक कठिन काम हो सकता है। अगर आप भी इससे परेशान हैं, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है, क्योंकि आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे, जिनकी मदद से आप जले हुए बर्तन को आसानी से कुछ मिनट में साफ कर सकती हैं।

जले हुए बर्तन को आसानी से करें साफ

रसोई में खाना बनाते समय कभी-कभी बर्तन जल जाते हैं, जिससे उन्हें साफ करना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में आप जले हुए बर्तन को साफ करने के लिए बेकिंग सोडा और पानी का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए आपको जले हुए बर्तन को पहले पानी से भरकर रख देना होगा और फिर इसमें एक कप बेकिंग सोडा डाल दें। अब इस मिश्रण को कुछ घंटे के लिए साइड में रख दें, अब एक कड़क ब्रश की मदद से जले हुए हिस्से को रगड़ने से आप बड़ी आसानी से जले हुए बर्तन को साफ कर सकती हैं।

सिरके का करें इस्तेमाल

इसके अलावा आप सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे पहले आपको जले हुए बर्तन में बराबर मात्रा में सिरका और पानी डालना होगा अब कुछ देर के लिए आप इसे गैस पर मध्यम आंच पर उबलने के लिए रख दें। जब यह ठंडा हो जाएं, तब आप इस बर्तन को रगड़ कर अच्छी तरह धो लें। इससे आपका बर्तन आसानी से साफ हो जाएगा।

टमाटर का पेस्ट

यही नहीं आप टमाटर के पेस्ट का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको टमाटर के पेस्ट को जले हुए हिस्से पर लगाना होगा, थोड़ी देर तक इसे लगा रहने दे उसके बाद साफ पानी से धो लें। ऐसा करने पर जला हुआ बर्तन साफ हो जाएगा।

सोडे का इस्तेमाल

इसके अलावा आप सोडे का इस्तेमाल कर सकते हैं। सोडा को पानी में मिलाकर पेस्ट बना ले, फिर ऐसे जले हुए हिस्से पर लगाएं। कुछ देर बाद बर्तन धो दें। अब आप नींबू को आधा काट लें और उसमें नमक लगाकर जले हुए हिस्से पर रगड़ें। कुछ देर बाद आप इसे धो लें।

इन चीजों का रखें ध्यान

इसके अलावा कुछ चीजों का ध्यान रखना चाहिए, जैसे जले हुए बर्तन को तुरंत ना धोएं। इसके अलावा ज्यादा कठोर ब्रश का इस्तेमाल न करें। इससे बर्तन खराब हो सकते हैं। इन सभी टिप्स को अपनाकर आप आसानी से जले हुए बर्तन को धो सकते हैं।

आप भी बना सकते हैं घर पर बाजार जैसा टेस्टी सॉस, ये है आसान रेसिपी

बच्चों से लेकर बूढ़ों तक हर कोई टोमेटो सॉस खाना पसंद करता है। यही नहीं अधिकतर महिलाएं अपने बच्चों के टिफिन में टमाटर सॉस और पराठे रखती है। ऐसे में बाजार से हर महीने टमाटर सॉस लाना थोड़ा महंगा हो जाता है। इससे किराने का बिल बढ़ जाता है। ऐसे में अधिकतर लोग टमाटर सॉस को घर पर बनाने की सोचते हैं। अगर आप भी चाहते हैं कि बाजार जैसा टमाटर सॉस घर पर बने, तो यह खबर आपके लिए है। आज हम आपको आसान रेसिपी बताएंगे, जिसकी मदद से आप घर पर बाजार जैसा टमाटर सॉस बना सकते हैं।

टोमेटो सॉस बनाने के लिए सामग्री

बाजार जैसा टोमेटो सॉस बनाने के लिए आपको कुछ सामग्री की जरूरत पड़ेगी। जैसे 2 पके हुए टमाटर, स्वाद अनुसार काला नमक, एक बड़ा चम्मच सिरका, एक चम्मच मिर्च पाउडर आधी कटोरी चीनी और एक चम्मच सोंठ पाउडर। इन सभी सामग्री को इकट्ठा कर आप घर पर टमाटर सॉस बना सकते हैं।

टमाटर सॉस बनाने का तरीका

टमाटर सॉस बनाने के लिए सबसे पहले आपको दोनों पके हुए टमाटर को धोकर काट लेना है। अब एक बर्तन में थोड़ा पानी लेकर इस बर्तन को कम आंच पर रख दें। थोड़ा पानी गर्म होने पर इसमें टमाटर डाल दे और टमाटर को अच्छी तरह उबलने दें, तब तक आप पानी वाले बर्तन को ढक कर रख दें। ध्यान रहे आपको बीच-बीच में कुछ पानी को चलते रहना है, ताकि टमाटर चिपके ना। जब टमाटर अच्छी तरीके से उबल जाए तब एक बड़ी छलनी की मदद से आप सारे टमाटर को छान ले। अब टमाटर को चम्मच से दबाते हुए अच्छी तरह छान कर गाढ़ा रस बना लें।

इसके बाद टमाटर के बचे हुए पीस को मिक्सर में डालकर अच्छी तरह पीस लें और फिर दोबारा छलनी से छान ले। इस गाढ़े रस को एक बर्तन में डालकर मीडियम आंच पर रख दें। अब इसमें स्वाद अनुसार चीनी, काला नमक, सोंठ और लाल मिर्च पाउडर डाल दे। इसके बाद इन सभी चीजों को अच्छी तरह मिला ले और मीडियम आंच पर उबलने दे।

जब यह सॉस की तरह गाढ़ा हो जाए और पक जाए, तो गैस बंद कर टोमेटो सॉस को ठंडा होने के लिए रख दें। अब आप इसमें सिरका डालकर मिक्स कर दें। आपका सॉस पूरे तरीके से बनकर तैयार हो गया है और आप इसे कांच के शीशे में भर सकते हैं। यही नहीं फ्रिज में रखकर आप इसे दो हफ्ते तक स्टोर कर सकते हैं।

हल्के में न लें बार-बार पेट खराब होने की परेशानी, हो सकती है सीरियस बीमारी

पेट खराब होना काफी आम होता है। पेट दर्द और कब्ज की वजह से ऐसा हो सकता है। कई बार खराब खाने-पीने की वजह से भी पेट में खराबी आ सकती है। लेकिन अगर ये समस्या लंबे समय तक बनी रहे तो अलर्ट हो जाना चाहिए। इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हो सकते हैं। सही समय पर इसका इलाज करवाना चाहिए, वरना कई गंभीर बीमारियों का खतरा हो सकता है। यहां जानिए पेट खराब होने के 6 मुख्य कारण...

बार-बार पेट खराब होने के 6 कारण

वायरल डायरिया

वायरल डायरिया के नॉर्मल कंडीशन है, जो आमतोर पर अपने आप ही ठीक हो जाती है। अगर संक्रमित खाना और पानी का सेवन करते हैं तो वायरल डायरिया हो सकता है। जिसकी वजह से बार-बार पेट खराब हो सकता है।

पेप्टिक अल्सर डिजीज

पेट की परत में अल्सर के कारण भी लगातार पेट दर्द और इससे जुड़ी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बार-बार पेट खराब हो रहा है तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और तुरंत जाकर डॉक्टर से मिलना चाहिए।

फूड एलर्जी

गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल प्रॉब्लम्स की वजह से खाना को सही तरह पचा पाना मुश्किल होता है, जो पेट खराबी का एक कारण हो सकता है। अगर बार-बार पेट खराब हो रहा है तो आपको फूड एलर्जी भी हो सकती है।

खतरनाक बीमारियां

पेट की परेशानी या बार-बार पेट खराब होना कैंसर जैसी खतरनाक बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। इसलिए सावधान रहना चाहिए, खानपान का ध्यान रखना चाहिए और इस तरह की समस्याओं को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

पेट की सेहत का ख्याल कैसे रखें

- घर पर बना खाना ही खाएं,
- हरी सब्जियां, फल और दही डाइट में शामिल करें।
- प्रोसेस्ड, मसालेदार और ऑयली चीजों से दूरी बनाएं।
- शराब और तंबाकू का सेवन न करें।
- तनाव को मैनेज करना सीखें।
- लाइफस्टाइल को बेहतर बनाएं।

खराब खानपान

अल्ट्रा हाई प्रोसेस्ड फूड्स जैसे ब्रेड, पास्ता, बिस्कुट, नूडल्स, केक या मसालेदार, फैटी खाना या खाने का सही टाइम न होने की वजह से भी पेट में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल समस्याएं हो सकती है।

लाइफस्टाइल में बदलाव

खराब लाइफस्टाइल की वजह से भी पेट में खराबी आ सकती है। तनाव, शराब या धूम्रपान का ज्यादा सेवन पेट को खराब हो सकता है। इसकी वजह से पेट में असहनीय दर्द भी हो सकती है।

अंगदान को हमें जीवन का एक तरीका बनाना होगा जिससे मरीजों को मिल सके नया जीवनः चांगसन

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव एल.एस. चांगसन ने आज यहाँ भारत में प्रौद्योगिकी, प्रक्रियाओं और कानून के संदर्भ में अंग और ऊतक दान और प्रतिरोपण को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक सुधार विषय पर चिंतन शिविर का उद्घाटन करते हुए कहा अंगदान को हमें जीवन जीने का तरीका बनाना होगा ताकि हम ऐसे मरीजों को एक नया जीवन दे सकें जिनके किन्हीं अंगों ने काम करना बंद कर दिया है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवाओं (डीजीएचएस) के महानिदेशक प्रो. (डॉ.) अतुल गोयल , राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रतिरोपण संगठन (एनओटीटीओ) के निदेशक डॉ . अनिल कुमार और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुश्री वंदना जैन समेत कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अपने उद्घाटन भाषण में एल.एस. चांगसन ने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में अंगदान के महत्व पर प्रकाश डाला है और इस बात पर जोर दिया है कि मृत्यु के बाद अंगदान करने वाला एक व्यक्ति आठ ऐसे रोगियों को नया जीवन दे सकता है जो अलग-अलग प्रकार की अंग विफलताओं से पीड़ित हैं। उन्होंने देश में अंगदान की बड़ी जरूरत को पूरा करने के लिए मृत्यु के बाद अंगदान को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया।

इस उद्देश्य से सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करते हुए सुश्री चांगसन ने कहा भारत सरकार ने अंगदान और प्रतिरोपण के लिए एक राष्ट्र, एक नीति की नीति अपनाई है और राज्य सरकारों के साथ इस संबंध में परामर्श प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। हमारा ध्यान, खासकर सरकारी संस्थानों में, अंग प्रतिरोपण के लिए बुनियादी ढांचे को तैयार करने और प्रशिक्षित कर्मचारियों की उपलब्धता में सुधार करना है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहले ही अंगदान जन जागरूकता अभियान के नाम से एक अभियान शुरू किया है जो विभिन्न राज्यों और संस्थानों में सक्रिय रूप से चल रहा है । स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. अतुल गोयल ने कहा भारत में अंग और ऊतक प्रतिरोपण के क्षेत्र में एनओटीटीओ ने अग्रणी भूमिका निभाई है। चिंतन शिविर आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करता है ताकि इस संबंध में व्यवस्था बनाई जा सके। उन्होंने कहा हमारे देश में दान यानी परोपकार की परंपरा रही है। हमें सरकारी और निजी अस्पतालों दोनों में अंगदान को यथासंभव प्रोत्साहित करना चाहिए। दो दिवसीय चिंतन शिविर में अंगदान और प्रतिरोपण से संबंधित दस महत्वपूर्ण विषयों और विभिन्न उप-विषयों को शामिल किया जाएगा।

चिंतन शिविर के विशिष्ट उद्देश्य इस प्रकार हैं

अंग एवं ऊतक दान एवं प्रतिरोपण को बढ़ाने के लिए आवश्यक सुधारों पर चर्चा करना।

अंग दान और आवंटन प्रक्रियाओं में सुधार के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी के बारे में पता लगाना और उस पर चर्चा करना।

अंग दान और प्रतिरोपण से संबंधित मौजूदा कानूनी ढांचे को मजबूत करने के लिए विधायी सुधारों हेतु सिफारिशें प्रस्तावित करना।

इस प्रक्रिया में शामिल मौजूदा प्रौद्योगिकियों में सुधार करके अंग दान और आवंटन के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना।

महिलाओं के खिलाफ हिंसा को 'लक्षणात्मक रोग' कहा जाना निंदनीय - उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (पीआईबी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज महिलाओं के खिलाफहिंसा को 'लक्षणात्मक रोग' कहे जाने की निंदा की। दिल्ली विश्वविद्यालय के भारती कॉलेज में 'विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका' विषय पर छात्रों और फैकल्टी के सदस्यों को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा, मैं आश्चर्यचकित हूं; मैं दुखी हूं और कुछ हद तक चकित हूं कि सर्वोच्च न्यायालय के बार के एक सदस्य और संसद का एक सदस्य ऐसा कहते हैं? लक्षणात्मक रोग और यह सुझाव देते हैं कि ऐसी घटनाएं सामान्य हैं? शर्मनाक!

ऐसी स्थिति की निंदा करने के लिए शब्द भी कम हैं। यह उस उच्च पद के साथ सबसे बड़ा अन्याय है। उपराष्ट्रपति ने इस तरह के बयान को अत्यंत शर्मनाक बताते हुए कहा कि ये बयान महिलाएं और बेटियों की पीड़ा को तुच्छ बनाते हैं। उन्होंने कहा, क्या आप पार्टी के हितों या व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए ऐसा कहते हैं? आप अपने अधिकार का इस्तेमाल करके इस तरह के घृणित अन्याय को बढ़ावा देते हैं? क्या मानवता के लिए इससे बड़ा अन्याय हो सकता है? हम हमारी बेटियों की पीड़ा को तुच्छ बनाया जाये ? अब नहीं।

उपराष्ट्रपति ने नागरिकों से राष्ट्रपति के बस बहुत हुआ के आह्वान को दोहराने की अपील की और कहा, राष्ट्रपति ने कहा, बस बहुत हुआ! आइए, इसे राष्ट्रीय आह्वान बनाएं। मैं चाहता हूं कि यह आह्वान सभी के लिए हो। चलिए संकल्प लें कि हम एक ऐसा सिस्टम बनाएंगे जिसमें कोई भी लड़की या महिला पीड़ित न हो। आप हमारी सभ्यता को नुकसान पहुंचा रहे हैं, आप अति क्रूरता का प्रदर्शन कर रहे हैं। किसी भी चीज को बीच में न आने दें और मैं चाहता हूं कि देश के हर नागरिक इस समय की सटीक चेतावनी को सुने।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारी बेटियों और महिलाओं के मन में डर एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, जहां महिलाएं और लड़कियां सुरक्षित नहीं महसूस करतीं, वह समाज सभ्य नहीं है। वह लोकतंत्र भी धूमिल हो जाता है; यह हमारे विकास के लिए सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने वित्तीय स्वतंत्रता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, मैं आप सभी से अपील करता हूं कि आप वित्तीय रूप से स्वतंत्र बनें। यह आपके ऊर्जा और क्षमता को उजागर करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा, लड़कियां हमारे देश के विकास में सबसे महत्वपूर्ण हिस्सेदार हैं। वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि अर्थव्यवस्था और अनौपचारिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। लिंग आधारित असमानताओं को समाप्त करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा, क्या हम कह सकते हैं कि आज लिंग आधारित असमानता नहीं है? समान योग्यता के बावजूद भिन्न वेतन, बेहतर योग्यता के बावजूद समान अवसर नहीं। यह मानसिकता बदलनी चाहिए। पारिस्थितिकी तंत्र को समान होना चाहिए, असमानताएं समाप्त होनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने भारत की वर्तमान विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस प्रगति को महिलाओं की पूर्ण भागीदारी के बिना प्राप्त नहीं किया जा सकता। रूप में सोचने का विचार बिना लड़कियों और महिलाओं की भागीदारी के तर्कसंगत नहीं है।

केंद्रीय पर्यटन मंत्री की अध्यक्षता में पश्चिमी व मध्यवर्ती तथा संघ राज्य क्षेत्रों के पर्यटन मंत्रियों का सम्मेलन पणजी गोवा में सम्पन्न

राज्य में पर्यटन के विकास के लिए केंद्र से संसाधन एवं समर्थन की मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की अध्यक्षता में पश्चिमी और मध्यवर्ती राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के पर्यटन मंत्रियों का सम्मेलन गोवा के पणजी में आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री श्री केदार कश्यप ने भी भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य विभिन्न राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के पर्यटन विकास की संभावनाओं और चुनौतियों पर चर्चा करना था। इस मौके पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने पर्यटन क्षेत्र में सुधार और नए आयाम जोड़ने के लिए विभिन्न राज्यों से सहयोग और समर्थन का आह्वान किया।

पर्यटन की समग्र प्रगति और विकास हेतु सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के साथ मिलकर कार्य करने के लिए केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा गोवा में पश्चिमी तथा मध्यवर्ती राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र के पर्यटन मंत्रियों के सम्मेलन का आयोजन किया गया। ताकि पर्यटन क्षेत्र के लिए संकल्पना निर्माण तथा विचार-विमर्श किया जा सके और एक साझा विजन तैयार किया जा सके।

इस बैठक में वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्रों के विकास, वैकल्पिक गंतव्यों के विकास, मार्केटिंग और संवर्धन, पर्यटन क्षेत्र में कनेक्टिविटी, स्वच्छता, व्यवसाय करने की सुविधा और सुगमता में सुधार के साथ-साथ पर्यटन में निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करने संबंधी उत्कृष्ट कार्य पद्धतियों को साझा करने पर फोकस किया गया। सम्मेलन में राज्यों के प्रतिष्ठित पर्यटक केंद्र, वैकल्पिक गंतव्य, मार्केटिंग और संवर्धन, व्यवसाय करने की सुगमता और निजी निवेश तथा स्वच्छता तथा पर्यटक सुरक्षा जैसे विषयों को शामिल किया गया।

छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने छत्तीसगढ़ में पर्यटन के विकास की संभावनाओं और चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने राज्य के प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक धरोहर और पर्यटन स्थलों की क्षमता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की, साथ ही विकास की राह में आने वाली चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श किया। मंत्री कश्यप ने केंद्र से समर्थन और संसाधनों की मांग की ताकि छत्तीसगढ़ को एक प्रमुख पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जा सके।

मंत्री श्री कश्यप ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़, प्राचीन स्मारकों, दुर्लभ वन्यप्राणियों, नक्काशीदार मंदिरों, बौद्ध स्थलों, राजमहलों, जलप्रपातों, गुफाओं और प्रागैतिहासिक काल के शैलचित्रों से परिपूर्ण राज्य है। हमारा राज्य ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक एवं प्राकृतिक धरोहरों के साथ गौरवशाली प्राचीन लोक संस्कृति का भी अद्वितीय उदाहरण है।

शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने लगाई गई शिविर

धमतरी। शासन द्वारा विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग के लोगों को योजनाओं का लाभ देने प्रधानमंत्री जनमन योजना की शुरुआत की गई है। इसके तहत जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति कमार बसाहटों में लगातार विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में आज मगरलोड विकासखण्ड के खड़मा, मड़वापथरा और नगरी विकासखण्ड के बगरूमनाला स्थित कवाचीपारा तथा आमापारा में विशेष शिविर आयोजित किया गया। इसमें में आयुष्मान कार्ड 07, जनधन खाता 11, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना 12, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना 01, किसान सम्मान निधि 18, श्रम कार्ड 26 कमार हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया।

समाज को शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक क्षेत्रों में अग्रणी बनाने हेतु सक्रिय भागीदारी निभाने का किया आह्वान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन कल अपने बालोद प्रवास के दौरान टाउन हॉल बालोद में आयोजित जिला देवांगन समाज बालोद के नव निर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर देवांगन ने समाज के लोगों से देवांगन समाज को शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक तथा सभी क्षेत्रों में अग्रणी बनाने हेतु सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील भी की।

समारोह में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने देवांगन समाज के नव निर्वाचित जिला अध्यक्ष श्री दीपक देवांगन एवं अन्य पदाधिकारियों को शपथ दिलाकर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि देवांगन समाज एक मेहनतकश समाज है। जिसका छत्तीसगढ़ राज्य व देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने समाज की अराध्य देवी माता परमेश्वरी से देवांगन समाज के उत्तरोत्तर प्रगति की कामना भी की। इस अवसर पर उन्होंने समाज के लोगों को शिक्षित एवं संगठित होकर समाज के विकास में योगदान देने की अपील की। समारोह में मंत्री श्री देवांगन ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाले छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों के विकास हेतु संचालित किए जा रहे विभिन्न योजनाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज हमारे प्रदेश का बागडोर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जैसे अत्यंत संवेदनशील एवं सक्षम व्यक्ति के हाथों मे सुरक्षित है। देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री साय के कुशल नेतृत्व में हमारा छत्तीसगढ़ आज निरंतर प्रगति के सोपानों को तय कर रही है। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य यशवंत जैन ने जिला देवांगन समाज के सभी नव निर्वाचित पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

जिला देवांगन समाज के पूर्व अध्यक्ष केदार देवांगन ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में पवन साहू, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राकेश यादव, देवांगन समाज के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप देवांगन सहित अन्य अतिथिगण उपस्थित थे।

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की अवधारणा पर काम कर रही है साय सरकारः रत्नावली कौशल

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। भाजपा नेत्री एवं अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण छग शासन पूर्व सदस्य रत्नावली कौशल ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विश्वास और सबका विकास की अवधारणा पर चलते हुए काम कर रही है। नक्सल प्रभावित इलाकों के विद्यार्थियों को प्रोफेशनल कोर्सेज की पढ़ाई के लिए ब्याज मुक्त 4 लाख रुपए तक का लोन दिलाने की घोषणा इसका एक बड़ा उदाहरण है।

भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित संभागों और जिलों के कमजोर आर्थिक स्थिति वाले विद्यार्थियों को डॉक्टरी, इंजीनियरिंग, एमबीए, बीएड एमएड, फैशन डिजाइनिंग, इंटीरियर डिजाइनिंग समेत अन्य प्रोफेशनल कोर्सेज करने के लिए संवेदनशील और उच्च शिक्षित मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने बिना ब्याज के 4 लाख रुपए तक एजुकेशनल लोन दिलाने का फैसला कर ऐतिहासिक एवं दूरगामी परिणाम देने वाला सराहनीय कदम उठाया है। रत्नावली कौशल ने कहा है कि मुख्यमंत्री श्री साय हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की परिकल्पना - सबका साथ, सबका विश्वास और सबका विकास को धरातल पर उतारने का काम कर रहे।

उनके इस ताजा फैसले ने इसे सिद्ध कर दिया है। सुश्री कौशल ने कहा है कि इंटरेस्ट फ्री एजुकेशनल लोन की घोषणा से ज्यादातर अनुसूचित जाति व जनजाति वर्ग के गरीब तबके के होनहार युवा साथी लाभान्वित होंगे, उन्हें अपने सपने साकार करने का शानदार अवसर मिलेगा। रत्नावली कौशल ने कहा है कि नक्सल हिंसा से ज्यादातर आदिवासी बाहुल्य जिले बस्तर, कांकेर, कोंडागांव, सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, धमतरी, गरियाबंद, सरगुजा, राजनांदगांव, मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी, खैरागढ़, कवर्धा, जशपुर, कोरिया, बालोद जिले प्रभावित हैं। इनमे से अधिकांश जिलों में आदिवासी समुदाय की आबादी ज्यादा है। वहीं कई जिले अनुसूचित जाति बाहुल्य हैं और पिछड़े तथा सामान्य व ईसाई, मुस्लिम अल्पसंख्यक वर्ग के लोग भी लोग इन जिलों में निवासरत हैं। रत्नावली कौशल ने कहा है कि इन सभी वर्गों के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को इस बहुआयामी योजना का लाभ मिलेगा। कोर्स पूरा करने के बाद ये युवा साथी डॉक्टर, इंजीनियर, वित्तीय संस्थानों में मैनेजर, अधिकारी, फैशन डिजाइनर, इंटीरियर डिजाइनर, प्रोफेसर, शिक्षक, उद्यमी बनकर छत्तीसगढ़ महतारी और भारत माता की सेवा में योगदान दे सकेंगे।

यही है छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा

भाजपा नेत्री रत्नावली कौशल ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साव निर्विकार भाव से छत्तीसगढ़ महतारी और छत्तीसगढ़ के माटी पुत्रों की सेवा कर रहे हैं। अपने मात्र सात माह के शासनकाल में मुख्यमंत्री श्री साय और उनके मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए फैसले और उठाए गए कदम इस सेवा भाव के प्रमाण हैं। कौशल ने कहा है कि चार लाख के ब्याज मुक्त एजुकेशन लोन की सबसे बड़ी बात यह है कि इसका लाभ छत्तीसगढ़ के मूल निवासी परिवारों के ही युवाओं को मिलेगा। यहां के मूल निवासी आदिवासी, अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग के लोग हैं। इन्ही मूल निवासियों को योजना का लाभ देने का फैसला ही छत्तीसगढ़ महतारी की सेवा का परिचायक है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा स्वास्थ्य कर्मियों की जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

गरियाबंद। जिले के राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने जिला स्तरीय बैठक संगठन को मजबूत करने एवं आगे की रणनीति तैयार किया बैठक में संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अमित कुमार मिरी,जिला अध्यक्ष गरियाबंद अमृत राव भोसले के मार्गदर्शन से आयोजित किया गया।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok
JEWELLERY
Gifts ● Toys ● Cosmetics
Perfumes ● Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खास खबर

सुरक्षाबलों को मिली कामयाबी, चार-चार किलो के तीन आईईडी बरामद, पुलिस ने किया निष्क्रिय

बीजापुर। बीजापुर में सुरक्षाबल के जवानों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से नक्सलियों द्वारा लगाये गये आईईडी को बरामद कर बीडीएस टीम व डॉग स्क्वाड की मदद से निष्क्रिय कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि सीआरपीएफ 168 ई कंपनी मोकुर की टीम शुक्रवार को एरिया डॉमिनेशन पर पेद्दागेलूर की ओर निकली थी।

डी-माइनिंग के दौरान सीआरपीएफ व बीडीएस की टीम के द्वारा नक्सलियों द्वारा सुरक्षाबलों के जवानों को नुकसान पहुंचाने के इरादे से 4- 4 किलो वजनी 3 आईईडी 10 - 10 मीटर की दूरी पर प्लांट कर रखा था। जिसे बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वाड की मदद से आईईडी बरामद कर उसे सुरक्षित तरीके से मौके पर ही निष्क्रिय कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक नक्सलियों ने आईईडी सूखे पत्तों के बीच चट्टानों के बीच व जमीन के अंदर लगा रखा था। सभी एंटी हेंडलिंग मेकेनिजम के साथ लगाये गए थे। सुरक्षबल के जवानों की सतर्कता व सूझबूझ से नक्सलियों के मंसूबे पर पानी फिर गया।

केशकाल में युवती से सामूहिक दुष्कर्म, सभी आरोपी गिरफ्तार, 20 दिन बाद पीड़िता ने दर्ज कराई रिपोर्ट

कोंडागांव। कोंडागांव जिले के केशकाल थाना क्षेत्र में नौ अगस्त की शाम एक युवती के साथ हुए सामूहिक अनाचार (गैंगरेप) की घटना के 20 दिन बाद मामला सामने आया। घटना के बाद बदनामी के डर से पीड़िता और उसके परिवार ने थाने में रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई थी। लेकिन 29 अगस्त को पीड़िता ने अपने परिजनों के साथ केशकाल थाना पहुँचकर पूरे मामले की लिखित रिपोर्ट दर्ज करवाई और न्याय की मांग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 9 अगस्त की शाम युवती सिलाई मशीन लेने के लिए घर से निकली थी, जब 5 युवकों ने उसके साथ जबरन अनाचार किया। पीड़िता की रिपोर्ट पर केशकाल पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए, आरोपियों के खिलाफबीएनएस की धारा 70, 351 (3) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। कोंडागांव एसपी वाय. अक्षय कुमार के निर्देशानुसार, कोंडागांव सायबर सेल और केशकाल पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपियों की पहचान और खोजबीन शुरू की। पुलिस की तत्परता और संयुक्त टीम के समन्वय के चलते कुछ ही घंटों में पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

तेंदुए के हमले से तीन साल की बच्ची की मौत, लघुशंका के लिए घर से बाहर निकली थी मासूम

धमतरी। धमतरी जिले के नगरी ब्लॉक में तीन वर्षीय मासूम बच्ची पर तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुए के हमले से मासूम बच्ची की मौत हो गई। वहीं, इस हादसे से पूरे गांव में दहशत का माहौल बन गया है। जानकारी अनुसार बताया कि नगरी ब्लॉक के ग्राम पंचायत भैंसामुड़ा के अंतर्गत आश्रित ग्राम धौराभाठा बताया जा रहा है। यहां एक मासूम बच्ची नेहा कमार अपने घर के बाहर लघुशंका के लिए निकली हुई थी।

इस दौरान वहा बैठे घात लगाए तेंदुआ ने हमला कर जंगल की ओर ले गया। इस बीच बच्ची की चीख पुकार को सुनकर ग्रामीणों ने जंगल की तरफतेंदुआ को बच्ची को ले जाते देख, जिस पर ग्रामीणों ने बच्ची को छुड़ाने के लिए तेंदुए के पीछे जंगल तरफ भागे। लेकिन तेंदुआ के हमले से मासूम बच्ची नेहा कमार पुत्री संतोष कुमार की मृत्यु हो गई थी। वहीं, वन विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुड़ गई है।

नशेड़ी वाहन चालकों पर बड़ी कार्रवाई, दो दिन में 25 वाहन चालकों से वसूले ढाई लाख रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा शहर में लगातार नशे के खिलाफअभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत शराब के नशे में वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। पिछले दो दिनों में 38 ऐसे वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई और 25 वाहन चालकों से न्यायालय द्वारा ढाई लाख रुपए जुर्माना वसूल किया गया। साथ ही ऐसे वाहन चालकों का लायसेंस निलंबन की कार्रवाई भी की जा रही है। दुर्ग पुलिस द्वारा यह कार्यवाही प्रतिदिन फिक्स पाइंट लगाकर की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक दुर्ग जितेन्द्र शुक्ला के निर्देश पर एवं एएसपी सुखनंदन राठौर के मार्ग दर्शन में दुर्ग पुलिस द्वारा रात्रि के समय नशे की हालत में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु लगातार देर रात वाहन चेकिंग पाइंट लगाकर कार्रवाई की जी रही है। उक्त कार्रवाई रात 8.00 बजे से 10.00 बजे तक जिले के समस्त थाना, चौकी क्षेत्र के प्रमुख मार्गो में नेशनल हाईवे में फिक्स पाइंट लगाकर वाहन चालकों को ब्रीथएनेलाईजर मशीन से चेक किया जा रहा है। नशे की हालत में वाहन चलाते पाये गये जिनके वाहन जब्त कर अग्रिम कार्यवाही हेतु न्यायालय पेश किया जा रहा है। विगत 02 दिवस में 38 प्रकरणों में 25 वाहन चालको को न्यायालय पेश किया गया जिस माननीय न्यायालय द्वारा प्रत्येक वाहन चालक से 10000 रुपए प्रति वाहन जुर्माना लगाया गया।

दुर्ग-भिलाई में फिक्स प्वाइंट लगाकर की गई कार्रवाई, दुर्ग में सड़क किनारे खड़ी बस चालकों का काटा चालान

सडक किनारे में खडी बसों पर कार्रवाई

दुर्ग पुलिस द्वारा शुक्रवार को सड़क किनारे खड़ी बसों पर भी कार्रवाई की गई है। मालवीय नगर से गंजपारा, जेल तिराहा से पटेल चौक तक एवं दुर्ग शहर के अन्य मार्गो में खडी बसो को हटाया गया। दुर्ग शहर के मुख्य मार्ग मालवीय नगर चौक, राजेन्द्र पार्क, गंजपारा उतई तिहारा, जेल रोड में सडक किनारे खडी बस मालिको पर कार्यवाही करते हुए अर्थदण्ड वसूल किया गया और साथ ही बस मालिकों को समझाईस दी गई की इस प्रकार सडक किनारे अपने वाहन खडा न करे जिससे किसी प्रकार की कभी भी कोई अप्रिय घटना घटित हो सकती है यह कार्यवाही आगे निरंतर जारी रहेगा।

आईजी गर्ग ने ली दोषमुक्ति के संबंध में समीक्षा बैठक

पुलिस महानिरीक्षक, दुर्ग रेंज राम गोपाल गर्ग की अध्यक्षता में दोषमुक्ति से संबंधित मामलों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पुलिस अधिकारियों, लोक अभियोजकों, और संबंधित अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान निम्नलिखित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में जमानत निरस्तीकरण के मामलों पर विस्तृत चर्चा की गई। इसमें यह सुनिश्चित करने के लिए जरूरी कदमों पर चर्चा हुई कि जमानत मिलने के बावजूद दोषियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। समीक्षा के दौरान, पिछले समय में त्रुटिपूर्वक मामलों पर विचार किया गया और उनके सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिन मामलों में माननीय न्यायालय द्वारा दोषमुक्ति दी गई है, उन पर अपील करने के लिए आवश्यक कानूनी प्रक्रिया और प्रमाणिकता पर गहन विचार-विमर्श हुआ। लोक अभियोजकों को विचारण के दौरान किन महत्वपूर्ण बिंदुओं का ध्यान रखना चाहिए, इस पर विशेष चर्चा की गई। अभियोजकों को उचित प्रमाण, गवाहियों और संबंधित कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने के निर्देश दिए गए।

समीक्षा बैठक में विवेचना एवम अभियोजन अधिकारियों की त्रुटि के कुल 91 मामलो पर चर्चा की गई, जिसमे दुर्ग के 74, बालोद के 10, बेमेतरा के 07 प्रकरण है।समीक्षा में जिन जिन प्रकरणों में विवेचना अधिकारियों की त्रुटि से अपराधी दोषमुक्त हुए हैं, उनके खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही करने का निर्णय लिया गया। साथ ही जिन प्रकरणों में अभियोजन अधिकारियों की लापरवाही से दोषमिक्ति हुई है, उनमें पुलिस अधीक्षक को संबंधित विभाग से समन्वय स्थापित कर अग्रिम कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। गर्ग ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी जिम्मेदारियों को पूर्ण निष्ठा और सतर्कता से निभाएं ताकि दोषमुक्ति के मामलों में न्यूनतम त्रुटियां हों और न्यायिक प्रक्रिया में मजबूती बनी रहे। यह बैठक दुर्ग रेंज में अपराध नियंत्रण और न्यायिक प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। बैठक में जिला दुर्ग से उपसंचालक लोक अभियोजक अनुरेखा सिंह , जिला बेमेतरा से उपसंचालक लोक अभियोजक कंचन पाटिल , बालोद से जिला अभियोजन अधिकारी अजय कुमार बैसवाड़े , डीएसपी शिल्पा साहू, उप निरीक्षक राज कुमार प्रधान, सहायक उप निरीक्षक हेमंत त्रिपाठी, डाटा एंट्री ऑपरेटर तेजस्वी गौतम एवम पीआरओ प्रशांत कुमार शुक्ला उपस्थित रहे।

रायगढ़ में दर्दनाक हादसा, साइकिल सवार महिला को ट्रेलर ने कुचला

मौके पर महिला की मौत, धरघोड़ा थाना क्षेत्र का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले मे शनिवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट मे आने से साइकिल सवार एक महिला की मौत हो गई। घटना के बाद से आरोपी वाहन सहित मौके से फरार हो गया है। उक्त घटना घरघोड़ा थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के अनुसार, रायगढ़ जिले के घरघोड़ा नगर के वार्ड नंबर 5 निवासी निर्मला डूंगडूंग पति प्रकाश डूंगडूंग आज सुबह सात बजे अपनी साइकिल से काम करने जन मित्रम स्कूल जा रही थी। महिला जब अपने घर से निकलकर बाईपास मार्ग पर पहुंची ही थी कि एक अज्ञात ट्रेलर चालक ने तेज और लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए महिला को अपनी चपेट मे ले लिया। हादसे की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। जिसके बाद महिला को लहूलुहान हालत में अस्पताल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

ट्रेलर की चपेट मे आकर महिला की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने बताया की महिला को कुचलने के बाद भी आरोपी ट्रेलर चालक मौके पर रुका नहीं फरार हो गया। बहरहाल घरघोड़ा पुलिस आरोपी वाहन चालक के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

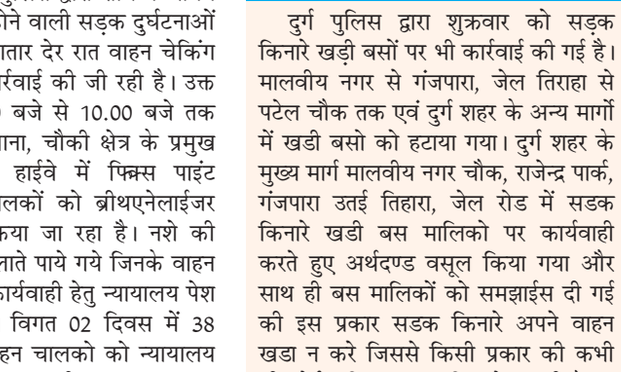

गुस्साए ग्रामीणों ने लगाया जाम

ट्रेलर की चपेट मे आकर महिला की मौत हो जाने के बाद ग्रामीण भारी संख्या में बाईपास मार्ग पहुंचे। उन्होंने महिला के परिजनों को उचित मुआवजा और आरोपी वाहन चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर चक्काजाम शुरू कर दिया है। जिससे सड़क के दोनों तरफ भारी वाहनो की लंबी कतार लग गई है। मामले की जानकारी मिलते ही घरघोड़ा पुलिस भी मौके पर पहुंच चुकी है और आक्रोशित लोगों को समझाने के प्रयास मे जुटी हुई है।

छोटे भाई ने की बड़े भाई की हत्या आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जमीन को लेकर दो भाईयों के बीच उपजे विवाद के बाद छोटे भाई ने बड़े भाई की मेटल के कडे पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। उक्त घटना कापू थाना क्षेत्र का है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार कापू थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम जलडेगा निवासी महेश राम और उसका बड़ा भाई कंश राम बीती रात साथ में बैठकर शराब सेवन करते हुए खाना खा रहे थे। इसी बीच जमीन को दोनों के बीच विवाद की स्थिति निर्मित हो गई और दोनों का विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आकर छोटे भाई महेश राम ने अपने ही सगे बड़े भाई पर मेटल के कड़े से ताबड़तोड वार कर दिया। जिससे शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोट आने और खून अधिक बहने की वजह से घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई।

छोटे भाई के द्वारा बड़े भाई की हत्या की जानकारी मिलने पर कापू थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इस संबंध में धरमजयगढ़ एसडीओपी सिद्धांत तिवारी ने बताया कि बीती रात कापू थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम जलडेगा में दो भाईयों के बीच किसी बात को लेकर विवाद जिसमें एक भाई ने दूसरे भाई की हत्या कर दी।

चरित्र शंका में पत्नी की हत्या

रायगढ़। घरघोड़ा थाना क्षेत्र में चरित्र शंका को लेकर एक व्यक्ति ने अपनी ही पत्नी पर सिल लोढ़ा से वार करते हुए उसे मौत के घाट उतार दिया। इस घटना के बाद पुलिस आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

घरघोड़ा थाना क्षेत्र के के ग्राम चोड़ीगुडा निवासी बसंत राठिया का पत्नी के साथ चरित्र शंका को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि बसंत राठिया ने घर में रखे सिल लोढ़ा से अपनी पत्नी रतना राठिया (49) के सिर पर हमला कर दिया। जिससे सिर में गंभीर चोट और अधिक रक्त बहने की वजह से घटनास्थल पर ही महिला की मौत हो गई। महिला की हत्या की सूचना मिलते ही पूरे गांव में दहशत का माहौल निर्मित हो गया। इसके बाद गांव के ग्रामीणों ने महिला की हत्या की जानकारी तत्काल घरघोड़ा थाने में दी। पुलिस मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजते हुए आरोपी को पति को गिरफ्तार कर लिया है।

युवक पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

■ बेंगलुरु में छिपा हुआ था आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जिले में एसपी शशिमोहन सिंह ने पुराने अपराधिक मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में युवक पर जानलेवा हमला कर फरारी काट रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है। घटना के बाद से आरोपी बीते 4 माह से भी अधिक समय से फरार है। बेंगलुरु में छिपकर रह रहा था। टेक्नीकल एक्सपर्टस व स्थानीय मुखबिर की मदद से आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है।

दरअसल यह पूरा मामला बगीचा थाना क्षेत्र का है। यहां की 65 वर्षीय महिला ने 17 अप्रैल 2024 को अपनी शिकायत में बताया कि 16 अप्रैल 2024 की शाम को वह अपने घर के बाहर भिटका में बैठी थी, उसी समय वहां रहने वाले प्रताप खलखो ने गाली गलौच कर धमकी देकर चला गया। इसके कुछ देर बार वह अपनी बाइक क्रमांक ष्ट्र 14 रू7418 से आया और

पास में बैठे उसके बेटे से मारपीट करने लगा। प्रताप खलको ने उसे बहुत बुरी तरह से पीटा इस बीच महिला की बेटी पहुंची तो वह भाग गया।

गंभीर हालत में युवक को अस्पताल पहुंचाया गया जहां इलाज के बाद उसकी जान बची। डॉक्टरों ने बताया था कि अस्पताल लाने में देरी होती तो बचना मुश्किल था। इसके बाद पुलिस ने इस मामले में मारपीट, गाली गलौच, जान से मारने की धमकी के साथ की हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया और आरोपी की पतासाजी शुरू की। घटना के बाद से आरोपी प्रताप खलको फरार हो गया था।

इधर एसपी शशिमोहन सिंह ने पुराने मामलों में गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम बनाई थी। इस दौरान टेक्नीकल एक्सपर्ट एवं लोकल मुखबिर से आरोपी के बेंगलुरु में रहने की सूचना मिली। सूचना के बाद पुलिस की टीम बैंगलुरु पहुंची और आरोपी की रेकी की। कुछ दिन रहने के बाद पुलिस ने आरोपी प्रताप खलकों को पकड़ा और जशपुर लेकर लौटी। पूछताछ में उसने अपपना अपराध स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल को जब्त कर आरोपी को जेल भेजा गया।

इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी बगीचा निरीक्षक अमित तिवारी, एएसआई भुनेश्वर भगत, आर. सुनील एवं सायबर सेल टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। एसपी शशि मोहन सिंह ने कहा कि पुराने प्रकरणों के फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष टीम को लगाया गया है, आरोपी प्रताप खलखो अत्यंत शातिर किस्म का व्यक्ति है, उसे सायबर एक्सपर्ट एवं लोकल मुखबिर की सहायता से बेंगलुरू से पकड़कर लाया गया है, पूछताछ में उसने उक्त अपराध को घटित करना स्वीकार किया है। आरोपी की गिरफ्तारी में सम्मिलित टीम को नगद ईनाम से पुरस्कृत किया गया है।

कार्यालय सिविल सर्जन - सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जिला चिकित्सालय - बेमेतरा (छ.ग.)
ईमेलः csdhbemetara@gmail.com फोन नं. 07824-222-150

पत्र.क्र./जि.चिकि./निविदा/2024-25 / 1852 बेमेतरा, दिनांक 30/08/2024

-: निविदा आमंत्रण सूचना :-

जिला चिकित्सालय बेमेतरा में निविदा विज्ञप्ति वर्ष 2024-25 के लिए (एक वर्ष के लिए) अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा **जिला चिकित्सालय बेमेतरा अंतर्गत भोजन व्यवस्था / सफाई व्यवस्था / सुरक्षा व्यवस्था** हेतु पृथक-पृथक सील बंद निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा प्रपत्र शर्तें एवं अन्य जानकारी राशि 3000.00 (तीन हजार रूपयें) जमा कर कार्यालयीन समय प्रातः 11 बजे से सायं 05 बजे तक कार्यालयीन दिवस (शासकीय अवकाश को छोड़कर) में कार्यालय के कक्ष क्रमांक 36 से प्राप्त किया जा सकता है।

क्र.	निविदा का विवरण	निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि		निविदा जमा करने की अंतिम तिथि		निविदा खोलने की तिथि	
		तिथि	समय	तिथि	समय	तिथि	समय
1	सुरक्षा व्यवस्था	23.09.2024	दोपहर 02 बजे तक	24.09.2024	दोपहर 02 बजे तक	24.09.2024	दोपहर 02 बजे
2	सफाई व्यवस्था	23.09.2024	दोपहर 02 बजे तक	24.09.2024	दोपहर 02 बजे तक	24.09.2024	दोपहर 03 बजे
3	भोजन व्यवस्था	23.09.2024	दोपहर 02 बजे तक	24.09.2024	दोपहर 02 बजे तक	24.09.2024	शाम 04 बजे

टीप :-
1. निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी जिले के वेबसाईट http://bemetara.gov.in से भी प्राप्त की जा सकती है।
2. निविदा खोलने की तिथि में अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा आवश्यकतानुसार परिवर्तन किया जा सकता है ।
3. पूर्व में जिन फर्म के द्वारा फार्म हेतु 3000.00 शुल्क जमा किया गया है । संबंधित फर्म के द्वारा पुनः फार्म क्रय करने पर पावती / रसीद के आधार पर निःशुल्क फार्म प्राप्त कर सकते हैं ।

सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक
जिला चिकित्सालय बेमेतरा छ.ग.

जी-242502134/4

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड बेमेतरा (छ.ग.)
ई- प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

ऑनलाईन निविदाएं प्रपत्र- ए में प्रतिशत दर पर अनुबंध हेतु नीचे उल्लेखित कार्य के लिये छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में एकीकृत पंजीयन व्यवस्था में श्रेणी-डी एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है.

कार्य का नाम- जल जीवन मिशन अंतर्गत विकासखंड बेमेतरा, नवागढ़, साजा एवं बेरला के विभिन्न ग्रामों में 150 मि.मी. व्यास के 120 मीटर गहरे नलकूप खनन कर हैण्डपम्प स्थापना का कार्य दिये गये शेड्यूल अनुसार

स. क्र.	सिस्टम नम्बर	निविदा सु.क्र.	ग्राम का नाम	अनुमानित लागत
1	158121	10	Drilling of 42 nos Nos. Tube well At villages (Khamhariya, Nagpura, Nawgaonkala, Ghatholi, Bilai, Sonpuri (ch), Panchbhaiya, Bahera (khu), Jewara, Mau, Chhirha, Majgaon, Lalpur, Charganwa, Marjadpur, Chorbhatti, Mohtara, Damaidih, Surki, Karamtara, Singpur, Udtala) in Block Bemetara.	49.76
2	158134	11	Drilling of 42 nos Nos. Tube well At villages (Jaung, Mungeli, Jangalpur, Betar, Baharbod, Jiya, Ughara, Bera, Khairjhiti, Charbhatha, Karchuwa, Sarangpur, Bagaud, Basani, Tala, Dokla, Patharra, Piparbhatha, Tendubhatha, Baijalpur, Baiji (N), Bahinga, Karhi) in Block Bemetara.	49.76
3	158135	12	Drilling of 42 nos Nos. Tube well At villages (Mudpar, Bahera (P), Amacho, Batar, Nawrangpur, Bhanwarda, Amalidih, Hemaband, Madai, Bhimpuri, Gidhwa, Kodwa, Sankapat, Pendri (khud.) Jata, Umariya, Chilphi, Kapa, Sendri, Birampur, Gorakhpur, Gangpur, Bohardih, Rampur) in Block Bemetara.	49.76
4	158136	13	Drilling of 42 nos Nos. Tube well At villages (Kurda, Kewanchi, Motimpur, Jhalam, Babaghatholi, Puran, Dhaneli, Arjuni, Boriya, Katalbod, Nawalpur, Bhainsa, Raurpur, Bhansuli, Mulmula, Chandanu, Raweli, Khapri, Mutpuri, Keshtara, Singhanpuri, Khamhi, Pendritarai) in Block Bemetara.	49.76
5	158137	14	Drilling of 13 nos Nos. Tube well At villages (Baradera, Nari, Pandarbhatha, Majgaon, Gunarbod, Jhal, Kusmi) in Block Bemetara.	15.40
6	158138	15	Drilling of 42 nos Nos. Tube well At villages (Anandgaon, Kandraka, Hasda, Bansa, Khudmuda, Rewe, Raveli, Saldha, Akoli, Sankara, Maniyari, Bargaon, Pahanda, Rampurbhand, Silghat (ku), Bhimbhouri, Mohbhatha, Bharda, Khamhariya (d), Chotmarra, Nawagaon, Khamhariya (R), Temari, Budhajaung, Lenjwara, Bawanlakh) in Block Berla.	49.76
7	158139	16	Drilling of 27 nos Nos. Tube well At villages (Bhatgaon, Khamtarai, Gadamor, Singardih, Bohardih, Khangarpat, Berlakala, Khudmudi, Deosara, Ghatiyakala, Hatpan, Bahera, Nawagaon, Lawatara) in Block Berla.	31.99
8	158140	17	Drilling of 33 nos Nos. Tube well At villages (Muswadih, Jata, Bundeli, Harduwa, Akalwara, Karesara, Bhardakala, Godmarra, Bhendarwani, Patharrikhurd, Bhatgaon, Patora, Bortara, Tenduwa, Patharrikala, Kamkawada, Khairjhitikala, Chikhali, Garra, Kurud, Beltara, Saigona, Pendrawan) in Block Saja.	39.09
9	158141	18	Drilling of 25 nos Nos. Tube well At villages (Ranbod, Chakraway, Aramsahi, Thal, Makkhanpur, Daunadih, Bortara, Bhalupan, Kharhari, Karamsen, Gopalpur, Tora, Khamhi, Dhaurabhathakala) in Block Nawagarh.	29.62
10	158142	19	Drilling of 22 nos Nos. Tube well At villages (Pratappur, Dhobanikala, Dhaurabhathakhud, Boirkachara, Bagholi, Nandal, Turasemariya, Buchipur, Khapri, Jewara (N), Barbaspur, Chaklakunda, Nawagaon) in Block Nawagarh.	26.06

1. बिड प्रारंभ की तिथि - 02.09.2024
2. बिड सबमिशन की अंतिम तिथि - 18.09.2024

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई- प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 02.09.2024 से देखे जा सकते हैं.

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बेमेतरा (छ.ग.)

जी-242502105/6

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस

फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता

कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में
रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
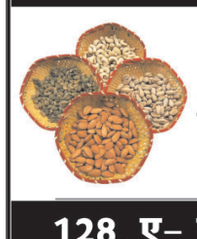
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षों से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.

रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

खास-खबर

मुख्यमंत्री से मिला कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा का प्रतिनिधिमंडल

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ प्रदेश कान्यकुब्ज ब्राम्हण महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय का प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में सरकार द्वारा सभी समाजों को साथ लेकर समग्र विकास के कार्यों के लिए आभार जताया। मुख्यमंत्री श्री साय को छत्तीसगढ़ प्रदेश कान्यकुब्ज ब्राम्हण महासभा के सदस्यों ने शॉल-श्रीफल व प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री से प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि आपके नेतृत्व में राज्य में सुशासन की सरकार है, जिसमें प्रदेश के सभी वर्गों को आगे बढ़ने का मौका मिल रहा है। शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदेश के सभी वर्गों को मिल रहा है। प्रदेश में नई सरकार के आते ही किसानों, महिलाओं, युवाओं, आदिवासियों सहित गरीब तथा कमजोर वर्ग के लोगों के हित में अनेक फैसले लिए गए। इस तारतम्य में सरकार बनने के दूसरे ही दिन 18 लाख जरूरतमंद परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने तत्काल स्वीकृति देने का निर्णय लिया गया। इसी तरह राज्य में किसानों को दो साल का बकाया धान बोनस दिया गया और महतारी वन्दन योजना के तहत एक हज़ार रुपये की राशि हर माह देकर 70 लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कान्यकुब्ज ब्राम्हण महासभा से अंजय शुक्ल, अध्यक्ष अरुण शुक्ल, अरविंद दीक्षित, श्याम शुक्ल, अटल त्रिवेदी, प्रदीप कुमार मिश्र, सुरेश मिश्र सहित अनेक सदस्यगण उपस्थित थे।

चंद्रनॉहू कुर्मी क्षत्रीय समाज ने दिया निमंत्रण

मुख्यमंत्री श्री साय से उनके निवास कार्यालय में चंद्रनॉहू कुर्मी क्षत्रीय समाज कवर्धा राज के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल ने चंद्रनॉहू कुर्मी क्षत्रीय समाज के वार्षिक केंद्रीय अधिवेशन में शामिल होने का आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री श्री साय को चंद्रनॉहू कुर्मी क्षत्रीय समाज के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष समाज का केंद्रीय अधिवेशन कबीरधाम जिले में 14 व 15 सितम्बर को आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने चंद्रनॉहू कुर्मी क्षत्रीय समाज के सदस्यों को केंद्रीय अधिवेशन में आमन्त्रण के लिए धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर चंद्रनॉहू कुर्मी क्षत्रीय समाज से प्रदेश अध्यक्ष विनोद चन्द्राकर, मोतीराम चन्द्रवंशी, अजीत चन्द्रवंशी, कैलाश चन्द्रवंशी, राजेन्द्र चन्द्रवंशी, दिनेश चन्द्रवंशी, रामविलास चन्द्रवंशी, कुलेश्वर चन्द्रवंशी सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

फोटो- 30.8.07

सीएम से जु-जित्सु खिलाड़ियों ने की भेंट

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में जु-जित्सु खिलाड़ी सुश्री सानिया परवीन और सुश्री शबा परवीन ने मुलाकात की। इन खिलाड़ियों ने मध्य प्रदेश के देवास में 19 से 21 जुलाई तक आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रथम वेस्ट जोन जु-जित्सु चैंपियनशिप 2024 में गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉंज मेडल सहित कुल चार पदक जीते हैं। सानिया परवीन ने 21 वर्ष आयु वर्ग में जु-जित्सु कॉन्टेक्ट में सिल्वर और जु-जित्सु फाइटिंग स्पर्धा में ब्रांज मेडल तथा शबा परवीन ने अंडर 16 आयु वर्ग में जु-जित्सु कॉन्टेक्ट में सिल्वर मेडल तथा अंडर 18 आयु वर्ग में जु-जित्सु फाइटिंग स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता है। इन खिलाड़ियों ने मुख्यमंत्री श्री साय को अपनी उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने इन खिलाड़ियों की शानदार उपलब्धियों पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

गौरतलब है कि सुश्री शबा परवीन ने अपने जन्मदिन 19 जुलाई को अंडर 16 आयु वर्ग की स्पर्धा में सिल्वर मेडल तथा अगले दिन 20 जुलाई को अंडर 18 आयु वर्ग की स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता है। इस अवसर पर इन खिलाड़ियों के पिता लतीफमोहम्मद भी उपस्थित थे।

नियद नेल्लानार क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की मिल रही सौगात

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल का प्रतिफल

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर नियद नेल्लानार क्षेत्रों में तेजी से बुनियादी सुविधाओं का विस्तार हो रहा है। छत्तीसगढ़ शासन के नियद नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) योजना के तहत माओवाद प्रभावित क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है। नियद नेल्लानार योजना के तहत सुरक्षा कैम्प के 5 किलोमीटर परिधि के गांवों में सड़क, बिजली, पानी, राशन, स्वास्थ्य, शिक्षा सहित सभी प्रकार की सुविधाओं का विस्तार तीव्र गति से किया जा रहा है।

शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना से अंदरूनी क्षेत्रों के ग्रामीणों में खुशी की लहर है। मुख्यधारा से जुड़कर यहां के ग्रामीण स्वयं के एवं अपने आने वाली पीढ़ी के सुखद भविष्य के लिए प्रफुल्लित नजर आ रहे है। स्थानीय कलेक्टर के मार्गदर्शन में गत दिवस अति सुदूर क्षेत्र कांवड़गांव, हिरोली, पुसनार, गंगालुर, चेरपाल, पदेड़ा, रेगड़गुट्टा जैसे गांवों के ग्रामीणों को सुगमतापूर्वक जिला मुख्यालय पहुंचाने हेतु जनसुविधा बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि विष्णुदेव साय की सरकार द्वारा हमारे कल्याण के लिए बनाई गई योजनाओं का अब समय पर क्रियान्वयन हो रहा है जिसका लाभ हम सबको मिलने लगा है। आवागमन की सुविधा के विस्तार होने से अब हम क्षेत्र वासी लाभान्वित होंगे।

जमीनी स्तर पर हो कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन- लखनलाल देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वाणिज्य और उद्योग एवं श्रम विभाग मंत्री और कबीरधाम जिले के प्रभारीमंत्री लखनलाल देवांगन ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में केंद्र तथा राज्य शासन की प्राथमिकता में शामिल प्रधानमंत्री जनमन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जल जीवन मिशन, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, उद्यानिकी विभाग, राशन कार्ड की नवनीकरण कार्यो सहित अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान कलेक्टर जनमेजय महोबे ने विभागीय योजनाओं के क्रियान्यवन और योजनाओं की प्रगति की जानकारी दी।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कबीरधाम जिले में लगातार विकास कार्य हो रहे हैं। जनप्रतिनिधि और अधिकारी जिले के विकास के लिए अच्छा कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य शासन की जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर हो और इसका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। सभी को उत्साह के साथ टीम भावना से कार्य करते हुए सभी क्षेत्रों में कबीरधाम जिले की पहचान बनाना है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया है। जिले के सभी अधिकारी इन समस्याओं को संज्ञान में लेकर प्राथमिकता के साथ निराकरण करना सुनिश्चित करें। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि जिले में विद्युत आपूर्ति के संबंध में अधिक शिकायत मिली है। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को विद्युत व्यवस्था को दुरूस्थ करते हुए 24 घंटे आपूर्ति करने के निर्देश दिए।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि पेयजल, सड़क, विद्युत, स्वास्थ्य, राशन मूलभूत आवश्यकता में शामिल है। यह सभी सुविधाएं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। इसके लिए सभी अधिकारी को निरंतर कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी जिला अधिकारी मैदानी क्षेत्रों में जाकर दौरा करें और वास्तविक वस्तु स्थिति की जानकारी लें। जिससे वहां की कमियों को पहचान कर पूरा किया जा सके। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा करते हुए अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित करने और प्रगति लाने के निर्देश दिए। जल जीवन मिशन के तहत जानकारी लेते हुए कहा कि शासन की यह महत्वपूर्ण योजना है जिसका उद्देश्य नल के माध्यम से हर घर जल पहुंचाना है। इस योजना का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर पूर्ण गुणवत्तापूर्ण और समय सीमा के भीतर होना चाहिए। उन्होंने जिले में खेती किसानी के संबंध में वर्षा और खाद उपलब्धता की जानकारी ली।

बैठक में कलेक्टर जनमेजय महोबे ने जिले के विभिन्न विभाग में संचालित योजनाओं के प्रगति के संबंध में विभागवार जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जिले में 2 लाख 83 हजार 704 राशन कार्ड प्रचलित है। जनवरी 2024 से अब तक 5 हजार 829 नवीन राशन कार्ड बनाया गया है। प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के तहत 1 लाख 29 हजार 613 कनेक्शन जारी किया गया है। जिले में 108 धान उर्पाजन केन्द्रों में माध्यम से धान खरीदी की जा रही है। जिले के 43 हजार 419 किसानों को वर्ष 2014-15 के तहत 57 करोड़ 92 लाख 28 हजार रूपए और 42 हजार 944 किसानों को वर्ष 2015-16 के तहत 61 करोड़ 30 लाख 79 हजार रूपए बोनस राशि का भुगतान किया गया है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनांतर्गत 69 करोड़ 89 लाख रूपए का भुगतान किया गया है।

पीवीटीजी ग्रामों तक पहुंच रही मूलभूत सुविधाएं

समुदायों को स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पोषण आहार के प्रति किया जा रहा जागरूक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप बलरामपुर जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लोगों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराने शासन लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत् विशेष पिछड़ी जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में निवासरत लोगों को विकास की मुख्य धारा से जोड़कर केन्द्र व राज्य शासन की योजनाओं प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, नलजल, शिक्षा, बिजली, कृषि, सड़क, आधार पंजीयन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, महतारी वंदन योजना, राशनकार्ड, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, सुकन्या समृद्धि योजना जैसे अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से जिले में कलेक्टर रिमिजियुस एक्का के मार्गदर्शन में चिन्हांकित विकासखण्डों के ग्राम पंचायतों में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लोग शामिल होकर शासन की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। इसी कड़ी में 28 एवं 29 अगस्त को जिले के विकासखण्ड बलरामपुर के ग्राम पंचायत पस्ता एवं सीतारामपुर, राजपुर के ग्राम पंचायत जिगड़ी व ककना, शंकरगढ़ के ग्राम पंचायत मनोहरपुर व डीपाडीहखुर्द एवं कुसमी के ग्राम पंचायत पुंदाग एवं भुलसीकलाखुर्द में प्रधानमंत्री जनमन अतंर्गत आईईसी कैंपेन उन्मुखीकरण सह शिविर आयोजित किया गया।

शिविर में संबंधित क्षेत्रों के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक उपस्थित हो रहे हैं। शिविर में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विशेष पिछड़ी जनजाति समुदाय के लोगों से उनकी समस्याओं के संबंध में सीधा संवाद कर उन्हें केन्द्र एवं राज्य शासन की योजनाओं का लाभ उठाने प्रेरित किया गया। शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा शासन के जनकल्याणकारी एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करने स्टॉल लगाया गया था। साथ ही उपस्थित अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की जानकारी भी दी। इस दौरान स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य कैंप का भी आयोजन किया। जिसमें पीव्हीटीजी परिवार के सदस्यों का बीपी, शुगर, सिकल सेल, खून जांच सहित अन्य जांच कर निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया।

इस अवसर पर आयोजित शिविरों में जनप्रतिनिधियों द्वारा पीएम जनमन अंतर्गत पीवीटीजी हितग्राहियों को लाभान्वित भी किया गया। जिसमें 235 हितग्राहियों को सिकलसेल जांच, 54 हितग्राहियों को आधार कार्ड, 37 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड, 08 हितग्राहियों को पीएम किसान सम्मान निधि, 04 किसान क्रेडिट कार्ड, 29 हितग्राहियों को पीएम जनधन योजना, 01 हितग्राही को पेंशन, 01 हितग्राहियों को पीएम सुरक्षा बीमा योजना, 22 हितग्राहियों का राशनकार्ड, 08 हितग्राहियों को पीएम मातृ वंदन योजना, 01 पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना, 17 जाति प्रमाण पत्र जारी किया गया। इस प्रकार पीएम जनमन अन्तर्गत हुए उक्त शिविरों में लगभग 417 पीवीटीजी हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। इस अवसर पर संबंधित क्षेत्रों के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, अधिकारी-कर्मचारी व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ की प्रदर्शनी को मिला पहला पुरस्कार, कृषिमंत्री ने दी बधाई

रायपुर। देश की राजधानी नई दिल्ली के भारत मण्डपम में आयोजित राष्ट्र स्टार की प्रदर्शनी एग्रीटेक इनोवेट इंडिया में छत्तीसगढ़ उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी को उत्कृष्ट प्रदर्शनी के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ है। कृषि विकास एवं किसान कल्याणमंत्री रामविचार नेताम ने स्टॉल प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त करने के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी है। उद्यानिकी विभाग के संचालक जगदीशन एस. के मार्गदर्शन में उद्यानिकी एवं वानिकी कृषकों की सफ्लता की कहानी पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई है।

गौरतलब है कि नई दिल्ली में 29 से 31 अगस्त तक आयोजित एग्रीटेक इनोवेट इंडिया प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ शासन के उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, विभाग द्वारा भी स्टॉल लगाई गई है। इस स्टॉल में उद्यानिकी उत्पाद पुष्प, फल, सब्जी एवं प्रसंस्कृत उत्पादों से सुसज्जित कर प्रगतिशील कृषकों की सफलता की कहानी प्रदर्शित की गई। स्टॉल में सक्ती जिले की मल्लिका किस्म का आम एवं जेरेनियम का बना हुआ रूम फ्रेशनर आदि प्रसंस्कृत उत्पाद प्रदर्शित किया गया, जो मुख्य आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रदर्शनी के दूसरे दिन शुक्रवार को छत्तीसगढ़ उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी के स्टॉल को आगंतुकों एवं जनप्रतिनिधियों सहित प्रबुद्धजनों द्वारा काफी सराहना मिल रही है। स्टॉल में दिल्ली सहित अन्य राज्यों के किसान उत्साह के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन कर रहे हैं।

रामीन के चेहरे पर चिन्ता की लकीरों की जगह आई आशा की मुस्कान

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। महतारी वंदन योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में आर्थिक रूप से स्वालंबी बनाने के लिए यह योजना एक कारगर कदम सिद्ध हो रही है। प्रदेश के महिलाओं के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा इस योजना की शुरूवात की गयी है। इस योजना के आने से महिलाओं में जबरदस्त उत्साह देखा गया है। इसके अंतर्गत महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रूपए की राशि प्रदान की जाती है। जिसे महिलाएं अपने आवश्यकतानुसार दैनिक जीवन में होने वाले खर्च में उपयोग कर रही है एवं उनके जीवन निर्वाह में यह योजना अत्यधिक लाभदायक सिद्ध हो रही है।

यह कहानी जांजगीर चांपा जिले के ग्राम पंचायत पंतोरा की निवासी श्रीमती रामीन मरकाम की है, जो अपने पति एवं चार बच्चों के साथ बड़ी ही मुश्किल से आर्थिक परेशानी के साथ जीवन-यापन कर रही थी। उनकी आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण बच्चों की पढ़ाई-लिखाई में बहुत परेशानी आ रही थी। साथ ही उनके आजीविका का एकमात्र साधन कृषि है, जिसे करने में भी कठिनाई हो रही थी। इसी बीच सरकार की महत्वकांक्षी योजना महतारी वंदन की शुरूवात हुई। श्रीमती रामीन मरकाम ने बताया कि योजना से प्राप्त होने वाली सहायता राशि का उपयोग उनके द्वारा अपने दैनिक जीवन में होने वाले खर्च, खेती के कार्य खाद, बीज, कीटनाशक इत्यादी खरीदने में किया, जिससे उनकी कृषि से होने वाली आय बढ़ गई है। इससे उनके बच्चों के पढ़ाई-लिखाई की राह भी आसान हो गई है।

श्रीमती रामीन मरकाम के चेहरे पर चिन्ता की लकीरों की जगह आशा की मुस्कान है। सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम निश्चित ही महिलाओं के लिए सफलता की राह प्रशस्त करेगा। श्रीमती रामीन मरकाम ने महतारी वंदन योजना प्रारंभ करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

राज्य के गंतव्यों को बनाएं राष्ट्रीय धरोहर

साय सरकार की अपीलः 'देखो अपना देश' अभियान में करें वोट

श्रीकंचनपथ न्यूज़

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के नागरिकों से अपील की है कि वे भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे 'देखो अपना देश' अभियान में सक्रिय भागीदारी करें। इस अभियान के तहत देशभर के नागरिकों को अपने राज्य के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन स्थलों के लिए वोट करने का मौका मिल रहा है और छत्तीसगढ़ के अद्वितीय और खूबसूरत गंतव्यों को इस राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का यह एक सुनहरा अवसर है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक स्थलों को पूरे देश में पहचान दिलाने का यह एक महत्वपूर्ण कदम है। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि वे अपने राज्य के गंतव्यों के लिए वोट करें और इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

वोट कैसे करें

वोटिंग के लिए नागरिकों को वेबसाइट https://forms.gle/ANvrFcQq&gzzEkS27 का उपयोग करना होगा। इस फॉर्म के माध्यम से लोग छत्तीसगढ़ के उन स्थलों के लिए वोट कर सकते हैं, जिन्हें वे राज्य और देश का गौरव मानते हैं। राज्य सरकार ने भी सभी से आग्रह किया है कि वे इस लिंक को अपने सोशल मीडिया पर साझा करें, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान में भाग ले सकें।

अंतिम तिथि

इस अभियान में वोट करने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2024 है। इसके बाद, चुने गए गंतव्यों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित किया जाएगा, जिससे राज्य में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा होंगे। छत्तीसगढ़ राज्य में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं, और यह अवसर हमें अपनी धरोहर, संस्कृति और प्राकृतिक सुंदरता को देशभर में फैलाने का मौका देता है। श्री साय ने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और छत्तीसगढ़ को भारत का गौरव बनाने में मदद करें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950